RNI No. : TNHIN/2013/52520 | वर्ष - 13 | अंक - 252 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » शुक्रवार » 10-04-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा ने सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूची से नाम हटाए : ममता
6 सभी भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने वाली हो शिक्षा नीति
7 विद्या बालन: एक ऐसी अभिनेत्री जो हर भाषा में रचती हैं जादू

फर्स्ट टेक

मुंबई हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी

मुंबई/भाषा। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) के टर्मिनल एक पर बृहस्पतिवार शाम 'शॉट सर्किट' के कारण आग लग गई, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीएसएमआई के एक प्रवक्ता ने बताया कि आग पर रात नौ बजकर 20 मिनट पर काबू पा लिया गया लेकिन उड़ानों का परिचालन अप्रभावित रहा। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने बताया कि करीब छह बजकर 10 मिनट पर आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। उन्होंने बताया आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों ने कुछ ही मिनट में आग पर काबू पा लिया। मुंबई अग्निशमन विभाग के प्रमुख रविंद्र आंबुलगेकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हवाई अड्डे पर केबलों और पैनलों में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी।

अमरनाथ यात्रा के लिए 15 अप्रैल से अग्रिम पंजीकरण शुरू होगा

जम्मू/भाषा। अमरनाथ की वार्षिक यात्रा के लिए अग्रिम पंजीकरण देशभर में 554 बैंक शाखाओं में 15 अप्रैल से शुरू होगा और तीर्थयात्रियों के वास्ते श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने एक विस्तृत चरणबद्ध प्रक्रिया अपनाई है। अधिकारियों ने बताया कि यात्रा का पंजीकरण और परमिट जारी किया जाना 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर होगा जो प्रत्येक निर्दिष्ट बैंक शाखा में, तीर्थयात्रा के हर मार्ग के लिए तय दैनिक कोटे के अधीन होगा। दिशानिर्देशों के अनुसार, केवल 13 से 70 वर्ष की आयु के तीर्थयात्री ही पंजीकरण के लिए पात्र होंगे। वहीं, छह सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिलाओं को तीर्थयात्रा की अनुमति नहीं होगी, भले ही उनके पास अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र हो।

भूस्खलन प्रभावित उत्तरी सिक्किम से फंसे हुए 1,321 पर्यटकों को बचाया गया

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के मंगन जिले के लाचेन में कई भूस्खलनों के कारण सड़क संपर्क टूट जाने के बाद फंसे 1,000 से अधिक पर्यटकों को बचाया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये पर्यटक पांच अप्रैल से उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को 1,321 पर्यटकों और 84 स्थानीय लोगों को बचाया गया। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान मंगन जिला अधिकारी अनंत जैन की देखरेख में और सेना, बीआरओ, 'लाचेन ज़ुमसा' तथा पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के सक्रिय समन्वय से चलाया गया।

सूर्यास्त 10-04-2026 6:21 बजे	सूर्योदय 11-04-2026 5:58 बजे
BSE 76,631.65 (-931.25)	NSE 23,775.10 (-222.25)
सोना 15,670 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 247,000 रु. प्रति किलो

दुनिया में संघर्षों के बीच नवकार मंत्र का जाप बहुत प्रासंगिक : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूरी दुनिया के कल्याण के लिए यहां नवकार मंत्र का सामूहिक जाप करना ऐसे समय में बहुत ही सार्थक और प्रासंगिक है, जब दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न विचारधाराओं को लेकर संघर्ष चल रहे हैं।

'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' पर आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मंत्र मनुष्य के जीवन को एक ऊंचे रास्ते की ओर ले जाते हैं, हमारी चेतना को जगाते हैं और नेक इरादों को मज़बूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में जब दुनिया को शांति की बहुत ज़रूरत है, नवकार मंत्र का सामूहिक जाप माहौल को शुद्ध करने और मन की अशांति को शांत करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, ''इससे आपसी समझ, सद्भाव और एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता भी मज़बूत होगी।'' शाह ने कहा कि नवकार मंत्र की परंपरा हज़ारों सालों से चली आ रही है, जिसमें 24 तीर्थंकरों और उनके अनुयायियों का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारे प्रबुद्ध ऋषियों ने पीढ़ियों तक अथक तपस्या करके पूरी मानवता के कल्याण के लिए इन मंत्रों की रचना की है। उन्होंने कहा, ''हमें इन्हें पूरी श्रद्धा के साथ अपनाना चाहिए और अपने जीवन में भी उतारना चाहिए।'' उन्होंने नवकार मंत्र को एक निराकार, निष्पक्ष और सार्वभौमिक प्रार्थना बताया, जो समय, जाति, क्षेत्र या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करती। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसी समावेशी और सर्वमान्य प्रार्थना बहुत ही दुर्लभ हैं।

शाह के अनुसार, यह प्रार्थना उन महान आत्माओं के गुणों को नमन है, जिन्होंने अपने कर्मों पर विजय प्राप्त की है और आत्म-साक्षात्कार तथा मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने बताया कि इस पवित्र मंत्र में 'णमो' शब्द पूर्ण समर्पण का प्रतीक है, जो साधक को अहंकार त्यागने और आत्म-शुद्धि के लिए प्रयास करने का मार्गदर्शन देता है।

समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाएं प्रगति करती हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश भर की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

मोदी ने सभी सांसदों से इस महत्वपूर्ण संशोधन का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने अपनी वेबसाइट 'नरेन्द्र मोदी डॉट इन' पर प्रकाशित एक लेख में यह भी कहा कि यह पहल उस सिद्धांत की पुष्टि है जिसने लंबे समय से भारत के इस सभ्यतागत लोकाचार का मार्गदर्शन किया है कि समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाएं प्रगति करती हैं। उन्होंने कहा कि अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश एक ऐतिहासिक अवसर की दहलीज पर खड़ा है और यह इसके लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने और समानता एवं समावेशन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का अवसर है।

'विश्व गुरु' और 'सुपर इकॉनमी' बनने के लिए भविष्य-उन्मुख दृष्टिकोण जरूरी : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'विश्व गुरु' और 'सुपर इकॉनमी' बनने का लक्ष्य हासिल करने के लिए भविष्य-उन्मुख विकास की उपयुक्त दृष्टि होना समय की जरूरत है।

गडकरी ने यहां 'एआईएमए' की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि ऐसे प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करना जरूरी है, जहां भविष्य में विकास की पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि शोध पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, क्योंकि यही प्रमाणित प्रौद्योगिकी, आर्थिक व्यवहार्यता, कच्चे माल की उपलब्धता और तैयार उत्पादों की बाजार क्षमता का आधार बनता है। गडकरी ने कहा, हमें यह समझने की जरूरत है कि भविष्य में किन निर्यात क्षेत्रों की मांग बढ़ेगी और किन आयात विकल्पों में हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने जल-आधारित अर्थव्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल मत्स्य क्षेत्र ही सात लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बन सकता है, जिसमें से लगभग आधे हिस्से का निर्यात किया जा सकता है।

विधानसभा चुनाव:

असम, पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान, केरल में 78 प्रतिशत से अधिक वोट पड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी/भाषा। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को हुए विधानसभा चुनावों में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कई जगहों पर रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया। निर्वाचन आयोग के अनुसार, असम में 85% से अधिक, केरल में 78% से अधिक और पुडुचेरी में लगभग 86% मतदान हुआ।

असम में इस बार मतदान प्रतिशत 2021 के 82.04% से भी अधिक रहा, जो इसे ऐतिहासिक बनाता है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसे जनता की मजबूत भागीदारी का संकेत बताया। वहीं, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने मतदाताओं को बदलाव की उम्मीद के साथ मतदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

केरल में पारंपरिक रूप से उच्च मतदान देखा जाता है और इस बार भी 78% से अधिक मतदान हुआ। यहां मुख्य मुकाबला वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (ड्रूत्र) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (णूत्र) के बीच है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन सहित कई वरिष्ठ नेताओं और प्रसिद्ध हस्तियों ने मतदान किया। फिल्म अभिनेता ममूटी और मोहनलाल भी मतदान में शामिल हुए।

पुडुचेरी में भी शांतिपूर्ण मतदान हुआ, जहां 86% से अधिक वोटिंग दर्ज की गई। यहां सत्तारूढ़ एआईएनआरसी गठबंधन और कांग्रेस गठबंधन के बीच कड़ी टक्कर है।

तीनों क्षेत्रों में कुल मिलाकर मतदान प्रक्रिया काफी हद तक शांतिपूर्ण रही, हालांकि असम में कुछ स्थानों पर मामूली झड़पें और हिंसा की घटनाएं सामने आईं, जिनमें कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया।

इन चुनावों में बड़ी संख्या में उम्मीदवार मैदान में हैंअसम में 126 सीटों पर 722 उम्मीदवार और केरल में 140 सीटों पर 883 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। कुल मतदाताओं की संख्या करोड़ों में है, जो लोकतंत्र में लोगों की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अधिक मतदान आमतौर पर बदलाव या मजबूत जन समर्थन का संकेत होता है। अब सभी की नजरें मतगणना पर टिकी हैं, जो 4 मई को होगी और यह तय करेगी कि क्या सत्तारूढ़ दल अपनी सत्ता बरकरार रख पाएंगे या विपक्ष को मौका मिलेगा।

विधानसभा की चार सीट पर हुए उपचुनाव में 68 से 82 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक, त्रिपुरा और नगालैंड की चार विधानसभा सीट पर बृहस्पतिवार को हुए उपचुनाव में मतदान काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा और 68 से 82 प्रतिशत के बीच मतदान दर्ज किया गया।

कर्नाटक के बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण, उत्तरी त्रिपुरा के धर्मनगर और नगालैंड में मोकोकचुंग जिले के कोरिडांग विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव हुए।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, देर शाम 08:30 बजे तक नगालैंड की कोरिडांग में 82.21 प्रतिशत, त्रिपुरा की धर्मनगर में 80.04 प्रतिशत और कर्नाटक की बागलकोट में 68.74 प्रतिशत तथा दावणगेरे दक्षिण में 68.43 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

बंबई उच्च अदालत ने बुधवार को गोवा के पोंडा विधानसभा उपचुनाव के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना को अमान्य घोषित कर दिया था। गुजरात और महाराष्ट्र की तीन विधानसभा सीट पर उपचुनाव 23 अप्रैल को होंगे।

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस को दोनों सीट को बरकरार रखने के लिए भाजपा की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस विधायकों एच वाई मेती (बागलकोट) और शमनूर शिवशंकरप्पा (दावणगेरे दक्षिण) के निधन के कारण उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था।

भाजपा ने पूर्व विधायक और 2023 में पराजित वीरभद्रय्या चरण्तिमठ को बागलकोट से और नया चेहरा श्रीनिवास टी दासकारियप्पा को दावणगेरे दक्षिण से मैदान में उतारा।

कांग्रेस ने दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में दिवंगत विधायकों के परिवार के सदस्यों को टिकट दिए। बागलकोट से उम्मीदवार उमेश मेती, एच वाई मेती के पुत्र हैं, जबकि दावनगेरे दक्षिण से समर्थ मल्लिकार्जुन, शमनूर शिवशंकरप्पा के पोते हैं। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी त्रिपुरा के धर्मनगर में शाम पांच बजे मतदान समाप्त हो गया। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के बावजूद सभी मतदान केंद्रों पर बड़ी संख्या में मतदाता आए और बिना किसी बाधा के अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग किया।

गुजरात के उमरेठ और महाराष्ट्र के राहुरी व बारामती में उपचुनाव 23 अप्रैल को होंगे। मतों की गिनती चार मई को होगी।

जनगणना 2027 डिजिटल माध्यम से होगी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में जनगणना संचालन की निदेशक भारती होलिकेरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2027 की जनगणना डिजिटल माध्यम से आयोजित की जाएगी, जबकि 2011 तक यह प्रक्रिया कागज पर आधारित थी। निदेशक होलिकेरी ने कहा कि इस प्रक्रिया के पहले चरण में घरों की सूची बनाना और आवास गणना शामिल है। पहला चरण 11 मई से नौ जून तक आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में शुरू किया जाएगा। तेलंगाना में जनगणना में गणनाकर्मियों और पर्यवेक्षकों सहित लगभग 88,000 कर्मी शामिल होंगे, हालांकि इस विशाल कार्य के लिए लगभग 93,000 से 94,000 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' ने दिखाया सेना की समन्वित कार्रवाई का दम : थलसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने समन्वित कार्रवाई की दिशा में भारत की प्रगति को प्रदर्शित किया। उन्होंने पाकिस्तानी क्षेत्र के अंदर अंजाम दिए गए सैन्य अभियान को परिचालन के लिहाज से अध्ययन का विषय बताया।

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए सैन्य कार्रवाई शुरू की थी।

जनरल द्विवेदी ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर, विभिन्न क्षेत्रों में समन्वित कार्रवाई की दिशा में भारत की प्रगति का सबसे शक्तिशाली साधन था। लेकिन हमें विभिन्न क्षेत्रों का एकीकरण और तालमेल का लक्ष्य प्राप्त करना होगा।

वह यहां रण संवाद मंच को संबोधित कर रहे थे, जिसका विषय था ''थल सेना द्वारा बहु-क्षेत्रीय अभियान (एमडीओ) का विज़ुअलाइजेशन''। सेना प्रमुख ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद गठित युद्ध सूचना संगठन और मनोवैज्ञानिक रक्षा प्रभाग के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, ''हमारे प्रयासों का 15 प्रतिशत हिस्सा दुष्प्रचार अभियान से निपटने पर केंद्रित था।''

हालांकि, उन्होंने चेताया कि प्रमुख चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, विशेष रूप से रणनीतिक, परिचालन और सामरिक स्तरों पर संचालन में समन्वय स्थापित करने और 'हाइब्रिड या ग्रे-ज़ोन' युद्ध के बढ़ते प्रचलन से निपटने में। उन्होंने कहा, ''ये आमतौर पर पारंपरिक सैन्य सीमा से नीचे होते हैं, जिनका उद्देश्य दुश्मन की कमजोरियों का फायदा उठाना होता है।''

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उलटबांसी

बहरों की सभा सुन रही है,
गूंगे अब गाते मधुर गान।
लूले मैराथन जीत रहे,
बाबाजी देते अतुल दान।
गुणवान सड़क पर घूम रहे,
हो रहा ढपोरों का बखान।
हर तरफ भ्रष्ट ही भ्रष्ट मगर,
अपना भारत फिर भी महान।।

ईरान ने फिर बंद किया होर्मुज जलडमरूमध्य

इजराइल-लेबनान हमलों से युद्धविराम पर संकट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेहरान/एपी। ईरान ने इजराइल द्वारा लेबनान में हमले तेज किए जाने के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर बंद कर दिया, जिससे हाल में हुआ युद्धविराम खतरे में पड़ गया है।

अमेरिका ने जलडमरूमध्य को तत्काल खोलने की मांग की है और शांति वार्ता को पटरी पर बनाए रखने की कोशिश की है। अमेरिका और ईरान दोनों ने समझौते को अपनी-अपनी जीत बताया है, वहीं क्षेत्र में ड्रोन और मिसाइल हमले जारी हैं।

लेबनान में इजराइल के हमलों में 203 लोग मारे गए

इस बीच इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। बेरूत में व्यावसायिक और रिहायशी इलाकों पर हमले किए गए। इन हमलों में कम से कम 203 लोग मारे गए। मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि हमलों में 1,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इजराइल और लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से पिछले पांच सप्ताह में बुधवार को सबसे ज्यादा लोग मारे गए। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाया। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने कहा कि प्रस्तावित वार्ता अतार्किक है क्योंकि अमेरिका ने युद्ध विराम की शर्तों का उल्लंघन किया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी कहा कि लेबनान में संघर्ष खत्म करना युद्धविराम का हिस्सा था, जबकि इजराइल और अमेरिका ने इससे इनकार किया है।

युद्धविराम के बावजूद ईरान समर्थित साइबर हमले जारी रहने की आशंका

वाशिंगटन/एपी। ईरान से संबद्ध हैकर समूहों ने संकेत दिया है कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच अस्थिर युद्धविराम लंबे समय तक उनके जवाबी साइबर हमलों को नहीं रोक पाएगा। अमेरिकी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की सलाह दी है।

'हंदाला' नामक एक प्रमुख हैकर समूह ने युद्धविराम की घोषणा के बाद कहा कि वह अमेरिका पर हमलों को अस्थायी रूप से टाल रहा है, लेकिन इजराइल को निशाना बनाना जारी रखेगा। समूह ने यह भी कहा कि उचित समय आने पर वह अमेरिका के खिलाफ अपनी गतिविधियां फिर शुरू करेगा। दो सप्ताह का यह युद्धविराम पहले ही पक्षों के बीच मतभेदों के कारण कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है और सभी पक्ष युद्ध में अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं।

फलस्तीन समर्थक और ईरान समर्थक 'हंदाला' नेटवर्क ने अमेरिकी चिकित्सा उपकरण विनिर्माता 'स्ट्राइकर' के कामकाज में बाधा डालने और एफबीआई निदेशक काश पटेल के निजी ईमेल खाते में सेंध लगाने सहित कई साइबर हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह समूह ईरान से जुड़े कई प्रॉक्सी हैकर नेटवर्क में से एक है और तेहरान से स्वतंत्र रूप से काम करता है।

नाटो पर ट्रंप का फिर हमला, कहा :

जरूरत के वक्त साथ नहीं दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वॉशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सैन्य गठबंधन की पुन: आलोचना करते हुए दोहराया कि जरूरत के समय नाटो अमेरिका के साथ नहीं था।

बैठक से पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि ईरान युद्ध के दौरान सहयोग नहीं मिलने पर अमेरिका नाटो से अलग होने पर विचार कर सकता है। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बड़े (कैपिटल) अक्षरों में लिखा, नाटो हमारे साथ नहीं था जब हमें उसकी जरूरत थी और आगे जरूरत पड़ने पर भी नहीं होगा।

व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं।

ट्रंप और रुटे के बीच यह बैठक ऐसे समय हुई जब अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी है, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का रास्ता साफ हुआ है।

अमेरिकी कांग्रेस 2023 में एक कानून पारित कर चुकी है, जिसके तहत कोई भी राष्ट्रपति कांग्रेस की मंजूरी के बिना नाटो से बाहर नहीं हो सकता।

जीजीएसआईपीयू ने समाज को दिशा दिखाई : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) का 18वां दीक्षांत समारोह बृहस्पतिवार को पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार स्थित परिसर में आयोजित किया गया। जीजीएसआईपीयू के कुलपति महेश वर्मा ने विश्वविद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुल 26,649 डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 124 पीएचडी, 11 एमफिल, 2,873 स्नातकोत्तर, 22,455 स्नातक और 477 एमबीबीएस डिग्रियां शामिल हैं।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय ने देश, विश्व और समाज को दिशा दिखाई है। उन्होंने कहा कि स्नातक होने वाले छात्र न केवल अपने करियर को आगे बढ़ाएंगे बल्कि भारत को आगे ले जाने के लिए अपने विचार और दृष्टिकोण भी प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने मेडल व डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आप सभी विकसित भारत के संकल्प को आगे ले जाने वाली शक्ति हैं। आपकी सफलता ही देश की सफलता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने कहा, हमारे युवाओं को जिस तरह की शिक्षा चाहिए, जैसी सुविधाएं चाहिए, हमारी सरकार उसी पर फोकस कर रही है। दिल्ली के उपराज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली विवि कुलपति और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष योगेश सिंह के साथ दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के पास पर्याप्त संसाधन : विश्व बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि उसके पास पर्याप्त सुरक्षा उपाय हैं जिनमें उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय गुंजाइश और कम मुद्रास्फीति शामिल हैं। ये सभी चीजें वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वृद्धि को समर्थन देंगी।

मौजूदा वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत करने के एक दिन बाद दक्षिण एशिया के लिए विश्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक (समृद्धि) सेबेस्टियन एकार्ट ने कहा कि भारत ने गत वित्त वर्ष 2025-26 में व्यापारिक उथल-पुथल का अच्छी तरह सामना किया और कच्चे तेल बाजारों में अस्थिरता उत्पन्न करने वाले मौजूदा पश्चिम एशिया संकट में भारतीय अर्थव्यवस्था ''मजबूत स्थिति'' से डटी है। एकार्ट ने कहा, '' भारत के पास मजबूत नीतिगत उपाय, उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय क्षमता है जिससे जरूरत पड़ने पर सहायता प्रदान की जा सकती है। साथ ही यहां मुद्रास्फीति का स्तर कम है और मौजूदा संकट से निपटने के लिए मजबूत लक्ष्य हैं। इस मजबूत वृद्धि गति को यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और नई श्रम नीति जैसी सकारात्मक नीतियों का समर्थन प्राप्त है। ये सभी चीजें निश्चित रूप से मजबूत वृद्धि गति को सुदृढ़ करती हैं एवं समर्थन देती हैं जो अच्छी बात है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद हम भारत और इस क्षेत्र को दुनिया के अन्य उभरते बाजारों की तुलना में एक बहुत मजबूत एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बने रहने की उम्मीद करते हैं।''

विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान मामूली बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही उसने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियां वृद्धि पर असर डाल सकती हैं। हालांकि, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से शुरुआती महीनों में उपभोक्ता मांग को सहारा मिलेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश की आर्थिक वृद्धि के 6.9 प्रतिशत, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने 6.1 प्रतिशत और मूडीज रेटिंग्स ने छह प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। विश्व बैंक ने बुधवार को जारी अपनी 'दक्षिण एशिया आर्थिक अद्यतन रिपोर्ट' में कहा कि भारत की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 के 7.1 प्रतिशत से बढ़कर 2025-26 में 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसका मुख्य कारण मजबूत घरेलू मांग और निर्यात की मजबूती है।

तटीय राज्यों ने चुनौतियों को अवसरों में बदला : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि तटीय राज्यों ने अपनी चुनौतियों को अवसरों में बदला है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इसे प्रदर्शित किया था।

बिरला ने यहां 'कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन' (सीपीए) भारत क्षेत्र के जोन-सात सम्मेलन में कहा कि विकसित भारत के निर्माण में विधायी संस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और युवा विधायकों की विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ''गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा तटीय राज्य हैं और इसके साथ चुनौतियां भी आती हैं। फिर भी, यहां के नेतृत्व ने अक्सर इन चुनौतियों को अवसरों में बदला है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सूखे, लंबी तटीय भूमि और आदिवासी क्षेत्रों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने (मोदी) औद्योगिकीकरण, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा दिया और कठिनाइयों को विकास में परिवर्तित किया। नर्मदा से शुष्क क्षेत्रों में जल पहुंचाया गया और वैश्विक परिवर्तनों का सामना करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को अपनाया गया।'' बिरला ने कहा कि इसी तरह अन्य तटीय राज्यों ने प्राकृतिक चुनौतियों को अवसरों में बदला है। उन्होंने कहा, ''उनकी विधानसभाओं ने संकटों और आपदाओं से निपटने के लिए कानून बनाये और नीतियां पारित की हैं, जिससे विपरीत परिस्थितियों के बावजूद विकास हुआ है।''

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान, मोदी गुजरात में बदलाव लाए, उन्होंने उद्योगों को स्थापित किया, ग्रामीण क्षेत्रों का विकास किया, पर्यटन स्थलों का कायाकल्प किया और जलभराव वाले क्षेत्रों को पानी उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने चुने हुए विधायकों से बहुत उम्मीदें और आकांक्षाएं होती हैं और तटीय क्षेत्रों के विकास के लिए गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा जैसे तीनों तटीय राज्यों को एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के बीच सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए।''

बिरला ने कहा कि दुनिया संसदीय लोकतंत्र को शासन की सर्वश्रेष्ठ प्रणाली के रूप में मान्यता देती है। उन्होंने कहा, ''1952 से देश में हर चुनाव में मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी भारत के सफल लोकतंत्र का संकेत है।'' उन्होंने कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी का युग है, लेकिन इनके साथ-साथ मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

बिरला ने कहा कि विधायक विधानमंडल के नियमों और प्रक्रियाओं को जितना अधिक समझेंगे, उनकी भागीदारी उतनी ही अधिक होगी और संवाद उतना ही अधिक रचनात्मक होगा।

इस मौके पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, गोवा और महाराष्ट्र विधानसभाओं के अध्यक्ष क्रमशः गणेश गांवकर और राहुल नार्वेकर ने भी संबोधित किया।

धार्मिक आयोजन के दौरान जलपान के बाद 96 ग्रामीण बीमार हुए

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद जिले के एक गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान जलपान में स्थानीय खाद्य पदार्थ खाने के बाद खाद्य विषाक्तता के एक संदिग्ध मामले में लगभग 100 लोग बीमार पड़ गए। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

जिला महामारी चिकित्साधिकारी डॉ. चिंतन देसाई ने बताया कि देत्रोज तालुका स्थित राजपुरा गांव के 96 निवासी बुधवार देर रात धार्मिक आयोजन में 'सेव-खमणी' (एक गुजराती नाश्ता) खाने के बाद बीमार पड़ गए, जिसके बाद उन्हें बृहस्पतिवार तड़के अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों में से 38 लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि अन्य को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। देसाई ने बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों की हालत स्थिर है। सुबह उल्टी, पेट दर्द और दस्त के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की एक टीम गांव के लिए रवाना हुई। देसाई ने बताया कि अस्पताल ले जाए गए 96 लोगों के अलावा, जलपान ग्रहण करने वाले 214 अन्य ग्रामीणों को भी एहतियाती उपचार दिया गया।

बीआरएस विधायक राजेश्वर रेड्डी साइबर धोखाधड़ी के शिकार हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने बृहस्पतिवार को बताया कि साइबर अपराधियों ने उनके साथ धोखाधड़ी की।

रेड्डी ने कहा कि धोखाधड़ी करने वालों ने खुद को अधिकारी बताकर उनके निर्वाचन क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को केंद्र सरकार की एक योजना के तहत आर्थिक सहायता देने का प्रस्ताव रखा था। जनगांव विधानसभा का प्रतिनिधित्व करने वाले रेड्डी ने बताया कि जालसाजों ने पांच अप्रैल को उनसे संपर्क किया और दावा किया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के 40 युवाओं (पुरुष और महिला) को 'प्रधानमंत्री विकसित भारत' योजना के तहत 10 लाख रुपए की सहायता मिलेगी, जिसमें 5 लाख रुपए का अनुदान भी शामिल है।

उन्हें कहा गया था कि हर आवेदन के लिए 2,500 रुपए का भुगतान किया जाए, जिसकी अंतिम तिथि पांच अप्रैल तय की गई थी। रेड्डी ने पत्रकारों से कहा, ''मैंने सोचा कि हमारे युवाओं को इस योजना का लाभ मिलना चाहिए, इसलिए मैंने खुद ही पैसे देने का फ़ैसला किया, क्योंकि उस दिन आवेदन करने की अंतिम तिथि थी।''बीआरएस विधायक ने कहा, ''मैंने अपनी पत्नी के फ़ोन से एक डिजिटल पेमेंट ऐप के ज़रिए 40 लोगों के लिए एक लाख रुपए हस्तांतरित कर दिए। बाद में मुझे एहसास हुआ कि धोखाधड़ी हुई है, जिसके बाद मैंने जुबली हिल्स थाने में शिकायत दर्ज कराई।''

शपथ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नई दिल्ली में राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र से नव निर्वाचित सदस्य पार्थ अजित पवार को बृहस्पतिवार को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई। पार्थ ने संसद भवन में सभापति के कक्ष में अंग्रेजी में शपथ ली। उनकी माता सुनेत्रा अजित पवार, जो महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री हैं, भी उपस्थित थीं। पार्थ महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के पुत्र हैं। राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, विभिन्न दलों के सदन के नेता- जयराम रमेश, प्रफुल्ल पटेल, लोकसभा सदस्य तटकरे सुनील दत्तात्रेय, राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी और सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सीबीआई 590 करोड़ रुपए के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले की जांच संभालने को तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) चंडीगढ़ के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में हरियाणा सरकार के खातों से 590 करोड़ रुपए के गबन के मामले की जांच संभालने के लिए तैयार है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि हरियाणा सरकार ने पिछले महीने ही जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का फैसला किया था।

घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा, ''हम मामले को अपने हाथ में लेने की प्रक्रिया में हैं।'' अधिकारी ने बताया कि हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसवी एंड एसीबी) द्वारा दर्ज मामले के आधार पर जल्द ही प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के अनुसार, हरियाणा सरकार के बैंक खाते से 590 करोड़ रुपए के कथित घोटाले को कर्मचारियों और अन्य लोगों ने अंजाम दिया। एसवी एंड एसीबी ने इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के दो पूर्व कर्मचारी और अन्य निजी व्यक्ति हैं। सूत्रों ने बताया कि पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपों के अनुसार, हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा राज्य के कोष को बैंक में 'फिक्स्ड डिपॉजिट' (एसएफडी) के रूप में जमा किया जाना था, लेकिन आरोपियों ने कथित तौर पर इसे अपने निजी उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल कर लिया।

सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि विभिन्न फर्जी कंपनियों और छोटी आभूषण कंपनियों में भारी मात्रा में धनराशि अंतरित की गई है तथा अंततः सोने की खरीद और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश के बहाने उसे निकाल लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस धन के लेन-देन में बड़ी मात्रा में नकदी निकासी भी देखी गई है।

हरियाणा: गैस रिसाव के बाद एलपीजी सिलेंडर में आग लगने से विस्फोट, सात बच्चों समेत 11 झुलसे

यमुनानगर/भाषा। हरियाणा के यमुनानगर में बृहस्पतिवार को प्रवासी मजदूरों के एक आवासीय क्वार्टर में गैस रिसाव के बाद एलपीजी सिलेंडर में आग लगने से विस्फोट हो गया, जिसमें सात बच्चों सहित 11 लोग झुलस गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

जगाधरी (सदर) थाना प्रभारी तरसेम कुमार ने फोन पर बताया कि यह घटना सलेमपुर बांगर इलाके में एक कारखाने के पास हुई, जहां सुबह एक परिवार लकड़ी का इस्तेमाल करके खाना बना रहा था। पास में रखे एक सिलेंडर से गैस का रिसाव हुआ और इसमें आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयंकर रूप धारण कर लिया और फिर इसमें धमाका हुआ, जिससे क्वार्टर की दीवारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

अधिकारियों ने बताया कि घायलों में दो महीने का एक शिशु, 43 वर्ष के दो पुरुष, एक महिला (40) और 18 वर्षीय युवती शामिल है जबकि अन्य घायल बच्चों की उम्र पांच से 10 वर्ष के बीच बताई गई है। उन्होंने बताया, घटना के बाद घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा गंभीर रूप से झुलसे आठ लोगों को चंडीगढ़ के एक अस्पताल में रेफर किया गया है।

भारत एक परिपक्व लोकतंत्र होने के कारण मौजूदा वैश्विक स्थिति से निपटने में सक्षम: सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकतंत्र की परिपक्वता, कूटनीति, विविधीकरण एवं निर्णायक कदम के दम पर भारत मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम रहा है।

एआईएमए के एक कार्यक्रम में सिंधिया ने कहा कि भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत के तटों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा, '' मौजूदा अस्थिरता ने वैश्विक व्यवस्था को झटके लगे हैं। इन झटकों ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित किया है और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ाया है। साथ ही ऊर्जा बाजार भी बुनियादी रूप से प्रभावित हुए हैं। ऐसे माहौल में, जहां ऊर्जा हमारी रीढ़ है, भारत इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने में सक्षम रहा है।'' मंत्री ने कहा कि पिछले चार सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक संगठित व्यवस्था तैयार की है, जिससे कठिन चुनौतियों का सामना किया जा सके और उन्हें अवसरों में बदला जा सके। सिंधिया ने कहा, '' आज भारत कई देशों के साथ संवाद स्थापित करने में सक्षम हुआ है। हमारे भारतीय जहाज आज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते हुए भारत के तटों तक पहुंच रहे हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि देश के सभी वर्ग इस अस्थिरता से सुरक्षित रहें। यह हमारे लोकतंत्र की परिपक्वता, कूटनीति, विविधीकरण और निर्णायक क्रियान्वयन को दर्शाता है।''

दूरसंचार क्षेत्र पर सिंधिया ने कहा कि सरकार देश के हर गांव को ब्रॉडबैंड सेवा से जोड़ने के लिए 1.39 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर रही है। इसका आधे से अधिक हिस्सा अगले 10 साल तक 'ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क' के रखरखाव पर खर्च होगा।

ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों के विविधीकरण से नई चुनौतियां सामने आईं : सीईओ नरेंद्रन

नई दिल्ली/भाषा। टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टी. वी. नरेंद्रन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के लिए ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण और महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच बढ़ाना अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन इस बदलाव से नई चुनौतियां भी उत्पन्न हुई हैं।

'एआईएमए लीडरशिप कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए नरेंद्रन ने ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के विविधीकरण को कई मायने में संवेदनशील करार दिया। उन्होंने कहा, '' चुनौती स्पष्ट है। हम ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के स्रोतों का विविधीकरण कर रहे हैं और हमें करना भी चाहिए। हालांकि यह विविधीकरण केवल आयात पर निर्भरता ही नहीं, बल्कि उन राजनीतिक संबंधों पर भी निर्भरता उत्पन्न करता है जो इन आयातों के प्रवाह को संभव बनाते हैं।''

ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) के अध्यक्ष नरेंद्रन ने कहा कि इस दशक की शुरुआत कोविड-19 वैश्विक महामारी से हुई, जो एक बड़ा व्यवधान था और जिसने सरकारों को तेजी से कदम उठाने के लिए मजबूर किया। इससे विज्ञान में तेज प्रगति हुई और व्यवसायों तथा समाजों को परिस्थितियों के अनुसार ढलने और समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी के बाद कई झटके आए। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का टूटना, रूस-यूक्रेन संघर्ष और उससे ऊर्जा व जिंस बाजार में अस्थिरता, बढ़ती व्यापार बाधाएं, प्रौद्योगिकी नियंत्रण में सख्ती और हाल के पश्चिम एशिया संकट के कारण प्रमुख समुद्री मार्गों में बढ़ते व्यवधान। नरेंद्रन ने कहा कि भारत के लिए वास्तविक अवसर मौजूद है और विश्व जब विश्वसनीय साझेदारों, विविधीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं एवं स्थिर विकास वाले बाजारों की तलाश कर रहा है, तब भारत अपनी स्थिति को काफी मजबूत कर सकता है।

उन्होंने कहा, '' भारत के लिए अवसर केवल खुद निर्माण करने का ही नहीं बल्कि दुनिया को बेचने का भी है। असली परीक्षा इतनी क्षमता विकसित करने की है कि हम ऐसा कर सकें।'' भारत बड़े पैमाने पर सौर और पवन ऊर्जा, जलविद्युत, परमाणु ऊर्जा, जैव ईंधन, गैस और हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं को शामिल करते हुए ऊर्जा स्रोतों का सक्रिय रूप से विविधीकरण कर रहा है।

कांग्रेस की सरकार बनने पर सीएपीएफ के साथ भेदभाव वाली व्यवस्था खत्म की जाएगी: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद से हाल ही में पारित किए गए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) से संबंधित विधेयक का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र में उनकी पार्टी की सरकार आते ही इस भेदभावपूर्ण व्यवस्था को समाप्त कर सीएपीएफ जवानों को उनका पूरा अधिकार दिया जाएगा। उन्होंने सीआरपीएफ शौर्य दिवस के मौके पर एक संदेश में यह भी कहा कि यह जरूरी है कि सीएपीएफ बलों का नेतृत्व उसी सिस्टम से आने वाले लोग करें, जो उनकी चुनौतियों और जरूरतों को सही मायनों में समझते हों।

संसद ने वर्तमान बजट सत्र में पिछले सप्ताह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी थी। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने इस विधेयक

के संबंध में विपक्ष की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि कि यह सीएपीएफ के किसी भी वर्ग के अहित में नहीं है और यह बलों को अधिक सशक्त बनाने में सहायक होगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर इस बल के हमारे साहसी और वीर जवानों को हार्दिक बधाई और सादर नमन। आपका साहस और बलिदान हर दिन हमारे देश की रक्षा करता है। आप सीमाओं पर तैनात रहकर देश को सुरक्षित रखते हैं, आतंकवाद और नक्सलवाद से लोहा लेते हैं, और लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव, चुनावों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने कहा, सच्ची श्रद्धांजलि केवल शब्दों से नहीं होती। वर्षों के त्याग, तपस्या और सेवा के बावजूद सीएपीएफ जवानों को न तो समय पर पदोन्नति मिलती है, न ही अपने ही बल का नेतृत्व करने का अधिकार, क्योंकि शीर्ष पद बल से बाहर के लोगों के लिए आरक्षित हैं।

उनका कहना है कि सीएपीएफ के जवान विशेष प्रशिक्षण, जमीनी अनुभव और गहरी रणनीतिक समझ रखते हैं, इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा के नज़रिये से भी यह जरूरी है कि इन बलों का नेतृत्व उसी सिस्टम से आने वाले लोग करें, जो उनकी चुनौतियों और जरूरतों को सही मायनों में समझते हों।

राहुल गांधी ने कहा, नेतृत्व के अवसरों से वंचित रखने से लेकर वेतन, कल्याण और सम्मान से जुड़े, लंबे समय से लंबित मुद्दों तक - यह संस्थागत अन्याय उन जवानों के मनोबल को ठेस पहुंचाता है, जो अपना जीवन देश की सुरक्षा में समर्पित कर देते हैं।

एक साल के बच्चे ने निगली तीन इंच की जिंदा मछली, ऑपरेशन के बाद निकाली गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। दुर्लभ घटनाक्रम में इंदौर में एक वर्षीय लड़के ने करीब तीन इंच लंबी जिंदा मछली निगल ली और चिकित्सकों ने जटिल ऑपरेशन के बाद इस जलीय जीव को उसके गले से बाहर निकालकर बच्चे को नया जीवन दिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन अप्रैल की घटना के दौरान एक साल के बच्चे के बड़े भाई-बहन उनके घर के एक्वेरियम की सफाई के दौरान एक जाली में रखी गईं सजावटी मछलियों से खेल रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि बच्चों की लापरवाही के कारण एक मछली अचानक उछली और उस वक्त एक साल के लड़के के मुंह में चली गई, जब वह जोर-जोर से हंस रहा था। उन्होंने बताया कि लड़के के जिंदा मछली निगलने से घबराए परिजन उसे फौरन शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) लेकर आए। एमवायएच के कान, नाक और गला (ईएनटी) विभाग की अध्यक्ष डॉ. यामिनी गुप्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जब हमने बच्चे की जांच की, तब करीब तीन इंच लंबी मछली जिंदा थी और उसके गले में फंसने के कारण जोर से फड़फड़ा रही थी। इससे बच्चे के गले में घाव हो गया था और उसकी लार के साथ खून आ रहा था। बच्चे को घबराहट, बेचैनी और सांस लेने में दिक्कत हो रही थी।'' गुप्ता ने बताया कि उन्होंने एक भी पल गंवाए बिना बच्चे के ऑपरेशन का फैसला किया और चिकित्सकों के छह सदस्यीय दल ने आधे घंटे की जटिल सर्जरी के दौरान उसके गले से मरी मछली बाहर निकाली। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के बाद कुछ दिन तक बच्चे की हालत पर नजर रखे जाने के बाद उसे एमवायएच से छुट्टी दे दी गई है और अब वह स्वस्थ है। गुप्ता ने कहा,''एक साल के बच्चे के गले में फंसी मछली को सर्जरी के जरिये बाहर निकाले जाने का यह मध्य भारत का पहला मामला है।

पलानीस्वामी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी कर रहे : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को निशाना बनाकर की गई ''महामारी संबंधी टिप्पणी'' को लेकर ई के पलानीस्वामी की आलोचना की और आरोप लगाया कि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख उन्हें निशाना बनाने की धुन में उनके पिता के खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणी'' कर रहे हैं। उदयनिधि ने कहा कि अन्नाद्रमुक के महासचिव अब तक उनकी आलोचना कर रहे थे, लेकिन अब अचानक उन्होंने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

पलानीस्वामी ने बुधवार को चेन्नई में चुनाव प्रचार के दौरान स्टालिन पर निशाना साधते हुए कहा था, द्रमुक शासन के दौरान क्या सूखा, बाढ़ या चक्रवात आया? या क्या कोरोना महामारी फैली? कुछ भी नहीं हुआ था, अगर यह (महामारी) फैलती, तो वह उसमें चले जाते (मर जाते)। उनकी इस टिप्पणी की मुख्यमंत्री और द्रमुक ने तीखी निंदा की थी।

उदयनिधि ने कांग्रेस उम्मीदवार दुरई चंद्रशेखर के समर्थन में पोन्नेरी (अनुसूचित जाति) में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की पूर्व सहयोगी वी के शशिकला के सामने पलानीस्वामी के दंडवत होने की छवि को भले ही भूल जाने की कोशिश करें लेकिन जनता यह भूलने के लिए तैयार नहीं है।

उन्होंने कहा, ''... उन्होंने अब मुझे छोड़कर हमारे मुख्यमंत्री को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और मानहानिकारक टिप्पणियां कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी ने हाल में उनके खिलाफ भी कुछ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। द्रमुक की युवा इकाई के सचिव ने कहा, ''ऐसा लगता है कि उन पर मेरी आलोचना करने की धुन सवार है इसलिए अब से उन्हें..... एडप्पादी पलानीस्वामी के नाम से नहीं जाना जाना चाहिए।''

उदयनिधि ने कहा कि वह पलानीस्वामी का बुरा नहीं चाहते लेकिन उन्होंने साथ ही तंज कसते हुए कहा, ''मैं आपके लंबे जीवन की कामना करता हूं ताकि आप अन्नाद्रमुक के स्थायी महासचिव के रूप में सेवा देते रहें।''

निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के लिए तमिलनाडु के मुख्य सचिव और डीजीपी का तबादला हुआ : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख एडप्पाडी. के. पलानीस्वामी ने बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव और डीजीपी के तबादले के निर्वाचन आयोग के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया था।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा आठ अप्रैल को किए गए तबादलों के विरोध पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा, अधिकारियों के तबादलों से उन्हें क्या समस्या है? उन्होंने कहा कि ये अधिकारी इतने लंबे समय से द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के साथ हैं और चुनाव के दौरान उनका तबादला करने में कुछ भी गलत नहीं था। पलानीस्वामी ने कहा, द्रमुक को लगता है कि वह अधिकारियों पर निर्भर है, लेकिन हम जीत के लिए जनता पर निर्भर हैं। अगर किसी और को नियुक्त किया जाता है तो उन्हें क्या परेशानी है? यह टिप्पणी उन्होंने उस समय की, जब पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के उस बयान का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि चुनाव के दौरान भाजपा शासित राज्यों में इस तरह के तबादले नहीं किए गए। पलानीस्वामी ने शहर में अपने चुनाव प्रचार के दौरान पत्रकारों से कहा, निर्वाचन आयोग चाहता है कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हों। और इसी आधार पर वे बदलाव कर रहे हैं। इससे हमें क्या फर्क पड़ता है कि कौन आता है? उनके मुताबिक, निर्वाचन आयोग ने अधिकारियों के तबादलों में विपक्षी दलों और जनता की राय को ध्यान में रखा। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम के तबादले का आदेश दिया और उनकी जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम साई कुमार को तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने मुख्य सचिव के तबादले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए भारतीय निर्वाचन आयोग के इस कदम को एकतरफा और राजनीतिक हस्तक्षेप करार दिया। उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा बार-बार उनकी आलोचना किए जाने के सवाल पर अन्नाद्रमुक महासचिव ने जवाब दिया, उनके पास राजनीतिक रूप से कहने के लिए कुछ नहीं है। अगर वे राजनीतिक टिप्पणी करते हैं तो मैं जवाब दूंगा। लेकिन अगर वे व्यक्तिगत हमले करते हैं तो मैं मुंहतोड़ जवाब दूंगा। द्रमुक का गढ़ माने जाने वाले चेन्नई में पार्टी द्वारा द्रमुक को चुनौती देने के फैसले पर पलानीस्वामी ने कहा, 23 अप्रैल का यह चुनाव साबित करेगा कि चेन्नई अन्नाद्रमुक का गढ़ है।

महिला आरक्षण विधेयक

चुनाव के बीच प्रस्ताव संदेह पैदा करता है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने विधायिकाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण को लेकर प्रस्तावित संशोधन के समय पर सवाल उठाते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि यह कदम चुनावी माहौल को प्रभावित करने की एक और राजनीतिक कोशिश प्रतीत होता है। स्टालिन ने कहा कि राज्यों में चुनाव के बीच 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने के लिए संशोधन लाने का समय गंभीर संदेह पैदा करता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का पूर्ण समर्थन करती है, लेकिन इसे बिना सीटों की संख्या बढ़ाए और बिना ''राज्यों को दंडित किए'', मौजूदा ढांचे के भीतर लागू किया जाना चाहिए। स्टालिन ने परिसीमन (डिलिमिटेशन) को लेकर पारदर्शिता की कमी का भी आरोप लगाया और पूछा कि यह जनसंख्या नियंत्रण से पूर्व के 1971 के आंकड़ों के आधार पर होगा या 2021 की जनगणना के अनुसार ? उन्होंने कहा कि अस्पष्टता और विरोधाभासी संकेत संदेह को और गहरा करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालेगा और सहकारी संघवाद के सिद्धांत पर सीधा हमला है।

उन्होंने कहा कि इससे संसद की भूमिका कमजोर होगी और दक्षिणी राज्यों की आवाज़ को हाशिये पर डाला जा सकता है। स्टालिन ने दावा किया कि इस प्रक्रिया से उत्तरी राज्यों को अधिक लाभ होगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल दक्षिणी राज्यों को नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कर्नाटक, केरल और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों की चिंताओं का भी उल्लेख किया।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने तमिलनाडु कांग्रेस का मैनिफेस्टो जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कांग्रेस पार्टी का मैनिफेस्टो जारी किया जिसमें तमिलनाडु के सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए बड़े वादे किए गए हैं, जिसमें महिलाओं के लिए 2,000, 3 लाख सरकारी पद भरे जाएंगे, भूमिहीन किसानों के लिए हर साल 6,000 पद शामिल हैं। डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को चेन्नई में तमिलनाडु कांग्रेस पार्टी ऑफिस में मैनिफेस्टो जारी किया और बात की।

उन्होंने कहा, अब कार्ति चिदंबरम और उनकी टीम तमिलनाडु के कोने-कोने में घूमी है, हर तरह के लोगों से मिली है, और लोगों की भावनाओं को समझने के बाद यह मैनिफेस्टो बनाया है। महिलाओं को एम्पावर किया जाना चाहिए, अगर एक महिला एम्पावर होती है, तो परिवार एम्पावर होता है। अगर परिवार एम्पावर होता है, तो समाज एम्पावर होता है। इसके लिए, महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपये देने का फैसला किया गया है। यह पैसा बिना किसी बिचौलिए के डायरेक्ट मनी ट्रांसफर के ज़रिए बेनिफिशियरी तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा, हेल्थ से जुड़ी दिक्कतें, मछुआरों की दिक्कतें, लैंड रिकॉर्ड बांटने की स्कीमें अनाउंस की गई हैं, और राज्य के लोगों की ज़रूरतों के हिसाब से प्लान बनाए गए हैं। बेरोज़गार युवाओं के लिए 3 लाख सरकारी पोस्ट प्रायोरिटी पर भरी जाएंगी। वे वैकेंसी निकलने के 300 दिनों के अंदर भरी जाएंगी।

उन्होंने कहा, हमने सत्ता में आने के पहले छह महीनों के अंदर कर्नाटक में दी गई पांच गारंटी स्कीमों को लागू किया। प्रधानमंत्री समेत बीजेपी के कई दोस्तों ने हमारी गारंटी स्कीमों की आलोचना की। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह मुमकिन है। जब से हमने यह गारंटी स्कीम लागू की है, तब से पूरे देश में लोग हमारे मॉडल पर भरोसा कर रहे हैं। हमें पूरा भरोसा है कि यह गठबंधन लोगों के आशीर्वाद से इस चुनाव में फिर से सत्ता में आएगा और लोगों की सेवा करेगा। तमिलनाडु के लोग समझदार, समझदार और आगे बढ़ने वाली सोच वाले हैं और उन्हें कांग्रेस और हमारे गठबंधन को अपना आशीर्वाद देना चाहिए।

द्रमुक नेता आर एस भारती ने स्टालिन पर 'अशोभनीय' महामारी टिप्पणी को लेकर पलानीस्वामी की निंदा की

चेन्नई। अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पाडी. के. पलानीस्वामी द्वारा मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के खिलाफ हाल ही में की गई टिप्पणियों पर ताजा हमला बोलते हुए, द्रमुक के वरिष्ठ नेता आर एस भारती ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि विपक्षी नेता की अशोभनीय बयानबाजी सत्तारूढ़ पार्टी के लिए बढ़ते जनसमर्थन से उपजे असंतोष से उपजी थी। पलानीस्वामी ने आठ अप्रैल को चेन्नई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पूछा था: द्रमुक शासन के दौरान क्या सूखा, बाढ़ या चक्रवात आया था? या कोरोना वायरस महामारी फैली थी? कुछ भी नहीं हुआ था; अगर यह (महामारी) फैलती, तो वह महामारी में ही मर जाते।

मई 2021 में जब द्रमुक ने सत्ता संभाली, तब राज्य महामारी की दूसरी लहर की चपेट में था, जबकि पहली लहर अन्नाद्रमुक शासन के दौरान सामने आई थी। भारती ने कहा कि जहां पलानीस्वामी महामारी के दौरान छिपे हुए थे, वहीं स्टालिन ने लोगों में विश्वास जगाने के लिए कोयंबटूर के अस्पताल वार्डों का दौरा करके अपनी जान जोखिम में डाली। भारती ने कहा, यह सर्वविदित है कि कोरोना काल के दौरान, जब एडप्पाडी जैसे लोग बाहर निकलने से डरते थे, तब हमारे नेता ने मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद कोयंबटूर अस्पताल के वार्डों में प्रवेश किया, जबकि डॉक्टरों और अन्य लोगों ने उन्हें रोकने की कोशिश की थी। भारती ने कहा, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कोरोना मरीजों से मुलाकात की और उनके इलाज को देखा, जिसके परिणामस्वरूप तमिलनाडु में कोरोना का प्रकोप कम हुआ और लोग शांति से रहने लगे। उन्होंने बताया कि उदयनिधि स्टालिन समेत मुख्यमंत्री के परिवार ने भी उस समय उनकी सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की थी।

दिवंगत नेताओं के. कामराज और वी.एन. जानकी के साथ द्रमुक के बर्ताव को लेकर पलानीस्वामी के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए भारती ने अन्नाद्रमुक प्रमुख पर इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि द्रमुक ने ही अन्ना सलाई पर कामराज की प्रतिमा स्थापित की थी और जब दिल्ली में दक्षिणपंथी चरमपंथियों ने उनके घर में आग लगा दी थी तब उनकी रक्षा की थी। उन्होंने कहा कि जब कई कांग्रेस नेता स्थान कोई निर्णय नहीं कर पा रहे थे, तब पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने गांधी मंडपम में कामराज के राजकीय अंतिम संस्कार को सुनिश्चित किया था।

पुडुचेरी में मतदान समाप्त, शाम छह बजे तक करीब 86 प्रतिशत मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों के लिए मतदान बृहस्पतिवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। मतदान समाप्त होने की समय सीमा से पहले पहुंचे और कतार में खड़े लोगों को वोट डालने की अनुमति दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार, 86 प्रतिशत से अधिक लोगों ने मतदान किया। अखिल भारतीय एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता बरकरार रखने के लिए और, विपक्षी कांग्रेस नीत गठबंधन केंद्र शासित प्रदेश में बदलाव के लिए जोर लगा रहा है। इस चुनाव में 9.50 लाख मतदाता सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के चुनावी भाग्य का फैसला करेंगे।

द्रमुक के भ्रष्टाचार और परिवारवाद को खत्म करने के लिए एनडीए को चुनें : एएनएस प्रसाद

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता ए.एन.एस. प्रसाद ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि अन्नाद्रमुक-बीजेपी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन एनडीए 200 से अधिक सीटें जीतकर राज्य में अगली सरकार बनाएगा। प्रसाद ने आरोप लगाया कि द्रमुक शासन में सत्ता एक ही परिवार तक सीमित हो गई है। उन्होंने एम.के. स्टालिन के दामाद सबरीसन के बढ़ते प्रभाव पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, सांसद और अब राज्यसभा तक एक ही परिवार का कब्जा होने जा रहा है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि तमिलनाडु में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया आम आदमी को घर बनाने से लेकर जाति प्रमाण पत्र तक के लिए रिश्वत देनी पड़ रही है। उन्होंने 'कार्तिकई दीपम' के आयोजन में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि द्रमुक सरकार तमिल संस्कृति और धर्म के विरुद्ध काम कर रही है। उन्होंने मतदाताओं को चेतावनी दी कि यदि द्रमुक सत्ता में लौटती है, तो वह 'मुगलिया राजशाही' की तरह व्यवहार करेगी। प्रसाद ने जनता से आह्वान किया कि वे क्षेत्रीय या नई तमिल पार्टियों को वोट देकर मत बर्बाद न करें, क्योंकि इससे केवल द्रमुक को फायदा होगा। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि तानाशाही और भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ने के लिए केवल एनडीए को ही वोट दें। भाजपा ने स्पष्ट किया कि मुख्य मुकाबला केवल दो गठबंधनों के बीच है और जनता इस बार परिवर्तन के लिए तैयार है।

दक्षिणी रेलवे के लिए नए प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी मोहनराजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी (पीसीपीओ) के रूप में आर. मोहनराजा, आईआरपीएस ने 9 अप्रैल को कार्यभार ग्रहण कर लिया है। भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) के अधिकारी मोहनराजा 1990 बैच के अधिकारी हैं । इस पदभार से पहले, वे चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। वर्षों से, उन्होंने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है और मानव संसाधन प्रबंधन एवं कर्मचारी कल्याण के क्षेत्र में व्यापक योगदान दिया है।

उन्होंने गुंटूर डिवीजन के संभागीय रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) और चेन्नई डिवीजन के अतिरिक्त संभागीय रेलवे प्रबंधक (एडीआरएम) के रूप में कार्य किया है। और नेतृत्व किया रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ छह वर्षों से अधिक समय तक उन्होंने बड़े पैमाने पर भर्तियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका अनुभव मदुरै, चेन्नई, मैसूरु और तिरुचिरापल्ली सहित कई विभागों में फैला हुआ है, साथ ही उन्होंने आईसीएफ में भी कार्य किया है। उन्होंने विभिन्न रेलवे स्कूलों के संवाददाता के रूप में भी सेवाएं दी हैं। कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता मोहनराजा को रेल मंत्रालय द्वारा उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, दक्षिणी रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा उत्कृष्ट सेवा के लिए क्षेत्रीय रेलवे पुरस्कार और उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम में विशिष्टता के साथ प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए महानिदेशक पदक से सम्मानित किया गया है।

मोहनराजा ने तिरुचिरापल्ली स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (पूर्व में क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज) से धातुकर्म इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।

शबरिमला संबंधी फैसला 'पुरुषों के श्रेष्ठ होने' की धारणा पर आधारित है : केंद्र ने न्यायालय से कहा

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। केंद्र ने केरल के शबरिमला मंदिर में विशेष आयुवर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर पाबंदी का समर्थन करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय का 2018 का फैसला इस धारणा पर आधारित है कि पुरुष श्रेष्ठ हैं और महिलाओं का स्थान उनसे नीचे है। ये दलीलें नौ न्यायाधीशों वाली उस संविधान पीठ के समक्ष दी गईं जो केरल के शबरिमला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से संबंधित याचिकाओं और साथ ही विभिन्न धर्मों द्वारा अपनाई जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा पर भी विचार कर रही है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ से कहा कि उन्होंने लिखित अभ्यावेदन दिया है और ऐसे उदाहरण पेश किए हैं जिनमें पुरुषों को मंदिरों में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

मेहता ने पीठ से कहा, ''यह देवी भगवती का मंदिर है, उससे कुछ आस्थाएं और मान्यताएं जुड़ी हैं। केरल में एक मंदिर है, मैंने उसके बारे में पढ़ा है, जहां पुरुष महिलाओं के वेश में जाते हैं। वे 'ब्यूटी पार्लर' जाते हैं और परिवार की महिलाएं उन्हें साड़ी पहनने में मदद करती हैं।''

उन्होंने कहा, ''इसलिए यह पुरुष-केंद्रित या महिला-केंद्रित धार्मिक मान्यताओं का सवाल नहीं है। मौजूदा मामले में, यह महिला-केंद्रित है।'' पीठ में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले, न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची भी शामिल हैं।

केरल के कोट्टनकुलंगरा श्री देवी मंदिर में सदियों पुरानी परंपरा के तहत देवी के सम्मान में पुरुष श्रद्धालु हर साल चमयाविलक्कु उत्सव के दौरान महिलाओं की तरह तैयार होकर आते हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि सार्वजनिक नैतिकता ही मार्गदर्शक मानक है, न कि संवैधानिक नैतिकता जिसकी पहले व्याख्या की गई थी। सितंबर 2018 में, पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने एक के मुकाबले चार के बहुमत से फैसला सुनाते हुए उस प्रतिबंध को हटा दिया था जो 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं को शबरिमला अयप्पा मंदिर में प्रवेश करने से रोकता था।

इसके बाद, 14 नवंबर, 2019 को, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय एक अन्य पीठ ने दो के मुकाबले तीन के बहुमत से विभिन्न पूजा स्थलों पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव के मुद्दे को एक वृहद पीठ के पास भेज दिया था।

पुडुचेरी के आदर्श मतदान केंद्र पर रोबोट ने मतदाताओं का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी में बृहस्पतिवार को विधानसभा चुनाव के लिए राजभवन निर्वाचन क्षेत्र स्थित वीओसी सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए एक आदर्श मतदान केंद्र पर फूलों की पखुंडियो की थाली लिए रोबोट ने मतदाताओं का स्वागत किया। पुडुचेरी के जिला निर्वाचन अधिकारी ए. कुलोथुंगन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मतदान केंद्र के गलियारे में घूमते हुए इस रोबोट ने आगंतुकों का अभिवादन किया और उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह केंद्र पुडुचेरी में बनाए गए आदर्श मतदान केंद्रों में से एक है।

अधिकारी ने कहा, लोगों ने रोबोट के उन ध्वनि संदेशों की सराहना की जिनमें उनसे मतदान करने और 100 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य हासिल करने में मदद करने का आग्रह किया गया था। उन्होंने बताया कि इस रोबोट को चेन्नई से लाया गया था। निर्वाचन विभाग ने मतदाताओं की सहभागिता बढ़ाने की अपनी पहल के तहत इस रोबोट को तैनात किया है।

आत्मशुद्धि, आस्था एवं साधना का प्रतीक है नवकार महामंत्र : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बृहस्पतिवार को कहा कि नवकार महामंत्र किसी एक व्यक्ति विशेष की स्तुति नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति में रची-बसी आत्मशुद्धि, आस्था एवं साधना का प्रतीक है। उन्होंने कहा, यह मानव को भीतर से सशक्त बनाकर उसे उच्चतर जीवन मूल्यों की ओर अग्रसर करता है। राज्यपाल बागड़े भीलवाड़ा में विश्व नवकार महामंत्र दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र विश्व के प्राचीनतम एवं पावन मंत्रों में से एक है जो अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकांतवाद जैसे सिद्धांतों पर आधारित है। यह मंत्र न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि समाज में शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, बागड़े ने जैन धर्म की महान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि तीर्थंकरों ने क्रोध, मोह एवं द्वेष जैसे आंतरिक शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर आत्मज्ञान एवं मोक्ष का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में इन विकारों का त्याग कर आत्मोन्नति की दिशा में अग्रसर हो। राज्य के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्ष एवं युद्ध मानवता के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। उनके अनुसार, ऐसे परिदृश्य में भगवान महावीर द्वारा दिया गया जियो और जीने दो का संदेश अत्यंत प्रासंगिक है।

राज्यपाल जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा मेडिसिटी ग्राउण्ड, भीलवाड़ा में आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र विश्व के प्राचीनतम एवं पावन मंत्रों में से एक है, जो अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकांतवाद जैसे सिद्धांतों पर आधारित है। यह मंत्र न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि समाज में शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा का भी संदेश देता है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है। राज्यपाल ने जैन धर्म की महान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि तीर्थंकरों ने क्रोध, मोह एवं द्वेष जैसे आंतरिक शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर आत्मज्ञान एवं मोक्ष का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में इन विकारों का त्याग कर आत्मोन्नति की दिशा में अग्रसर हो।

नई पीढ़ी को सनातन धर्म के बारे में वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया जाये : वासुदेन देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि आज सारा विश्व हिंसा की अग्नि में जल रहा है, ऐसी परिस्थिति में आशा की एक किरण के रूप में आज भारत की सनातन संस्कृति और जैन धर्म के अहिंसा सहित अन्य सिद्धान्त बहुत अधिक प्रासंगिक हो गए है। इन सिद्धांतों को आचरण में उतारना बहुत आवश्यक है। देवनानी गुरुवार को जयपुर के अणुविभा केन्द्र में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस के भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहें थे। इस मौके पर नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप के साथ ही विश्व में शांति, सद्भाव एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का सन्देश दिया गया। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि आज रूस, यूक्रेन, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव एवं वैश्विक शक्तियों के टकराव ने चारों ओर वातावरण और सम्पूर्ण मानवता को संकट एवं असुरक्षा की स्थिति में ला दिया हैं। ऐसे समय में भारत की सनातन संस्कृति विश्व को शांति और बन्धुत्व का मार्ग सीखा सकती है। देवनानी ने कहा कि भारत ने कभी विश्व की महाशक्ति बनना नहीं चाहा। हम विश्व के मार्गदर्शक रहे हैं और आगे भी दुनिया को शांति, सद्भाव, अहिंसा और मानव कल्याण का मार्ग दिखाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व के वर्तमान हालातों में भारत को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की निर्गुट नीति पर चल रहे हैं। यह विश्व शांति और सद्भाव के लिए भारत की प्रतिबद्धता का ही द्योतक है कि हमारे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह विश्व नमोकार मंत्र दिवस पर देश की राजधानी से हम सभी से जुड़े हैं।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि नवकार महामन्त्र का जप मानव जाति के कल्याण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस महामन्त्र का जप केवल शब्दों का उच्चारण नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी सारगर्भित है। यह आत्मा की गहराई से उठने वाली एक दिव्य पुकार और सकारात्मक ऊर्जा है। यह मंत्र किसी एक धर्म, जाति या वर्ग तक सीमित नहीं है बल्कि यह सम्पूर्ण विश्व के कल्याण का मंत्र है।

देवनानी ने कहा कि जैन मुनि अपने मुंह पर पट्टी लगा कर किसी अंधविश्वास का नहीं बल्कि कीड़े जैसे छोटे से छोटे जीव के प्रति भी सहृष्णता का भाव और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का एक बड़ा सन्देश देते हैं । यही सिद्धांत आज आधुनिक विज्ञान की इकोलॉजी और बायोडायवर्सिटी से मेल खाता है। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं अपरिग्रह के सिद्धांत की पालना करता हूँ।

देवनानी ने इस अवसर पर सभी जैन पंथों के प्रतिनिधियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्र संत आचार्य सुन्दर सागर जी महाराज सहसंघ, आचार्य शशांक सागर जी महाराज सहसंघ, अणुव्रत आचार्य महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि सुधाकर कुमार जी,नरेश कुमार जी,ध्यानकीर्तिविजयजी महाराज और साध्वी मणिप्रभाजी आदि साध्वी वृंद के साथ ही जयपुर ग्रेटर नगर निगम के निवर्तमान उप महापौर पुनीत कर्णावत, जीतो जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन श्रीमती सलोनी जैन, महामंत्री हितेश भांडिया, कार्यक्रम संयोजक देवांग शाह और पुष्पेश कांकरिया, सुनील कोठारी, नितिन जैन, विमल सिंघवी आदि उपस्थित थे।

शहर में अनियमित मीडियन ओपनिंग को जल्द करें बंद : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर शहर में यातायात प्रबंधन एवं सुधार के लिए प्रगतिरत विभिन्न जेडीए प्रोजेक्ट्स को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस काम में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारी एवं निर्माणकर्ता के विरूद्ध परफॉर्मेंस एवं लिक्विडिटी पैनल्टी की कार्यवाही करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि यातायात को सुगम एवं सुरक्षित बनाने की कार्ययोजना को जेडीए एवं यातायात पुलिस संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र लागू करें।

शर्मा ने जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था के रीयल टाइम मैनेजमेंट के लिए नया इंटीग्रेटेड कमाण्ड सेंटर स्थापित करने की कार्ययोजना बनाने के लिए जेडीए, परिवहन, ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम को आपसी समन्वय से काम करने के विशेष दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षा की दृष्टि से इस सेंटर को मॉडल सेंटर भी बनाया जाए।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जयपुर शहर के यातायात सुधार के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने जेडीए को सीबीआई फाटक, सालिग्रामपुरा फाटक एवं सिविल लाइन फाटक आरओबी, गोपालपुरा एलिवेटेड रोड, सांगानेर एलिवेटेड रोड के काम को गति प्रदान करने एवं पूर्ण गुणवत्ता से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने जेएलएन मार्ग पर यातायात प्रबंधन का प्रभावी प्लान बनाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित अरण्य भवन-जगतपुरा एलिवेटेड रोड की डीपीआर को शीघ्र तैयार करने, अजमेर रोड पर पुरानी चुंगी अंडरपास तथा राम मंदिर-रेलवे यार्ड-रेलवे सर्किल के बीच वैकल्पिक मार्ग के लिए प्रस्तावित आरओबी की ट्रैफिक दबाव का आकलन कर पुनः फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि द्रव्यवती एलिवेटेड कॉरिडोर की डीपीआर भी शीघ्र तैयार की जाए।

शर्मा ने कहा कि महल रोड, सीकर रोड और न्यू सांगानेर रोड को सिग्नल फ्री बनाने एवं बेहतर ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए डबल यू-टर्न बनाने की कार्ययोजना पर शीघ्र काम प्रारंभ किया जाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि आमजन को जाम से राहत दिलाने के लिए रामबाग चौराहे पर बनाई गई फ्री-लेफ्ट टर्न व्यवस्था को शहर के महत्वपूर्ण व्यस्ततम मार्गों एवं प्रमुख चौराहों पर भी लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री ने जेडीए को ट्रैफिक के बढ़ते दबाव को संतुलित करने के लिए चिन्हित चौराहों पर लेन निर्धारण एवं गोलचक्कर निर्माण सहित आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जेडीए एवं यातायात पुलिस को शहर के प्रमुख मार्गों पर अनियमित मीडियन ओपनिंग को जल्द बंद करने तथा यू-टर्न स्थानों को चिन्हित कर कार्यशील बनाने के लिए भी निर्देशित किया।

शर्मा ने प्रमुख चौराहों और बाजारों में पैदल यात्रियों को सुरक्षित रूप से सड़क पार करने के लिए नियंत्रित क्रॉसिंग व्यवस्था को विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए स्पष्ट संकेत बोर्ड, गति नियंत्रण एवं जेबरा क्रॉसिंग की व्यवस्था की सुनिश्चितता के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि महल रोड, डिग्गी रोड और कालवाड़ रोड पर स्कीमों की सेक्टर रोड की कार्यवाही को गति प्रदान की जाए। वहीं, जेडीए, नगर निगम और यातायात पुलिस को जयपुर शहर में पार्किंग से संबंधित सभी स्थानों के सुव्यवस्थित एवं नियमानुसार संचालन के निर्देश दिए।

सलूंबर जिले में बच्चों की मौत रहस्यमयी बीमारी से होने का संदेह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सलूंबर जिले में पांच बच्चों की हाल ही में हुई मौत का कारण एक रहस्यमयी बीमारी होने का संदेह है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि इसके अलावा पिछले दो दिन में तीन और बच्चों की मौत अलग-अलग कारणों से हुई है। बच्चों की मौत की ये घटनाएं झल्लारा और लसाड़िया इलाकों से सामने आई हैं जहां पिछले आठ दिनों में आठ बच्चों की मौत हो चुकी है। इस बीच स्वास्थ्य विभाग ने इलाके में सतर्कता बढ़ाते हुए व्यापक जांच का अभियान चलाया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, साढ़े चार साल और दो महीने की उम्र के दो बच्चों को उल्टी और दस्त के लक्षण के बाद मंगलवार को सलूंबर अस्पताल में लाया गया तो उनकी मौत हो चुकी थी। इन्हीं लक्षण वाले लगभग दो साल उम्र के बच्चे की मौत भी बुधवार को हुई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महेंद्र कुमार परमार ने बताया कि रौनक (4.5 साल) झल्लारा के अमलोदा गांव का था। इसे जब अस्पताल लाया गया तो उसकी मौत हो चुकी थी। परमार ने कहा, पांच बच्चों की पहले हुई मौत रहस्यमयी हैं। हमें अभी तक नमूनों की रिपोर्ट नहीं मिली है। बाकी तीन मौतों के कारण अलग हैं। एक अन्य मामले में लसाड़िया के कालीभीत गांव के दो महीने के शिशु बंशी को भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मृत अवस्था में लाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि मंडली गांव के दिव्यांश पटेल (2) की बुधवार को बुखार, उल्टी और दस्त से पीड़ित होने के बाद मौत हो गई।

इस बीच राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीमें तैनात की हैं। जयपुर और उदयपुर से मेडिकल टीमें प्रभावित गांवों में तैनात की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार लसाडिया के प्रभावित क्षेत्र में घर-घर सर्वे एवं नियंत्रण गतिविधियां चलाई गई हैं। प्रभावित क्षेत्र में 12 टीमों द्वारा 379 घरों का सर्वे किया गया जिसमें एक लक्षणयुक्त रोगी पाया गया जिसका मौके पर ही उपचार किया गया। उल्लेखनीय है कि एक से छह अप्रैल के बीच लसाड़िया के लालपुरा और घाटा गांव में दो सगे भाईबहन सहित पांच बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों को संदेह है कि इन मौतों का संबंध इसी रहस्यमयी बीमारी से है। अधिकारियों ने बताया कि मौत के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के साथ-साथ व्यक्तित्व एवं कौशल विकास पर करें फोकस : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि विश्वविद्यालय प्रतिभाशाली व्यक्तित्व तैयार करने के केंद्र बिंदु है, यहां विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ उनके समग्र विकास पर फोकस होना चाहिए, जिससे वे उच्च कौशल के साथ गुणवान व चरित्रवान बनकर देश के विकास में अपनी महती भूमिका निभा सके। राज्यपाल बागड़े गुरुवार को प्रताप ऑडिटोरियम में राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर के षष्ठम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में डिग्री एवं उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह पावन पर्व है। यह वह समय है जब विद्यार्थी अपनी शिक्षा पूरी कर उसे व्यवहार में लाने योग्य बनता हैं। उन्होंने कहा कि आपने जो शिक्षा यहां प्राप्त की है, उसका उपयोग समाज के सर्वांगीण विकास के लिए करें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं।

बागड़े ने कहा कि देश में आजादी के बाद 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' इसी उद्देश्य से तैयार हुई है, जिससे हमारा देश आत्मनिर्भर बन सके। नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को रोजगार प्रदाता बनाना है। यह नीति शिक्षा तक सबकी आसान पहुँच, समता, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही के आधारभूत पांच स्तंभों पर निर्मित हुई है। राज्यपाल ने कहा कि राजा भर्तृहरि की तपोभूमि पर स्थित यह विश्वविद्यालय ज्ञान के उत्कृष्ट केंद्र के रूप अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है, जो जीवन व्यवहार का मार्ग प्रशस्त करे। किताबों में अब तक जो पढ़ा, उसे व्यवहार में उतारने की आवश्यकता है। इसके लिए मौजूद बौद्धिक क्षमता को और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नही हैं। इसका असली उद्देश्य चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास, नैतिक मूल्यों की स्थापना और समाज सेवा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन में आगे बढ़ने के अवसर ही नहीं देती बल्कि विद्यार्थी को संस्कारित करती है। उन्होंने कहा कि विनोबा भावे ने शिक्षा पद्धति के बदलाव पर जोर देते हुए कहा था कि स्वतंत्रता के समय ही मैकाले की शिक्षा पद्धति को बदलकर भारतीय शिक्षा पद्धति को लागू किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने हमारे उद्योग धन्धे बंद कर दिए थे।

भू जल स्तर बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जाएं : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि जल स्वावलंबन अभियान का मूल उद्देश्य समझना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने भूजल स्तर में लगातार हो रही गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके कारणों का विश्लेषण कर प्रभावी समाधान ढूंढना होगा। उन्होंने जल दोहन को नियंत्रित करने तथा अधिक से अधिक जल पुनर्भरण (वॉटर रिचार्ज) के उपाय अपनाने के कार्य करने के निर्देश दिए। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के अंतर्गत कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) को बढ़ावा देने के संबंध में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

दिलावर ने कहा कि जल स्तर बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर पौधारोपण, चारागाह विकास, तालाबों एवं एनीकेट (छोटे बांध) का निर्माण, विलुप्त नदियों का पुर्नजीवित तथा अन्य जल स्रोतों का सृजन आवश्यक है। साथ ही, प्राकृतिक जल मार्गों में आई बाधाओं को दूर कर जल के प्राकृतिक प्रवाह को पुनर्स्थापित करना चाहिए। मंत्री दिलावर ने इस दिशा में सुझाव आमंत्रित करते हुए अब तक किए गए प्रयासों की सराहना की और विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। मंत्री दिलावर ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में गौ वंश के संरक्षण को लेकर कार्य योजना बनाने पर भी चर्चा कर निर्देश दिए। उन्होंने कार्यशाला में पोलीथीन का इस्तेमाल नहीं करने का संकल्प भी दिलाया। उन्होंने जल उपलब्धता के आंकड़े बताते हुए डार्क जॉन के खतरे से निपटने की दिशा में कार्य के भी निर्देश दिए।

पंचायत राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान एक व्यापक एवं महत्वपूर्ण योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य बहते हुए जल को रोककर उसका संरक्षण करना है। उन्होंने सिरोही जिले में धरातल जल स्तर में आई उल्लेखनीय वृद्धि का उदाहरण देते हुए वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

देवासी ने जनभागीदारी को इस अभियान की सफलता का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जल संरक्षण संभव है। उन्होंने बावड़ियों, तालाबों के पुनर्जीवन, घास विकास, पौधारोपण एवं अन्य जल स्रोतों के निर्माण को प्राथमिकता देने को कहा। कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को पंत कृषि भवन, जयपुर के सभा कक्ष में किया गया। इसमें पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. जोगाराम ने सीएसआर के कार्यों एवं सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए चलाए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी।

आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम है हेल्पलाइन : नीरज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के महानिदेशक नीरज के. पवन ने शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा और सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस दिशा में 181 संपर्क हेल्पलाइन एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन की बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत समस्याओं पर गंभीरता से संज्ञान लिया जा रहा है तथा विभागीय उच्च अधिकारियों द्वारा उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

इस अवसर पर आरआईएसएल के समूह महाप्रबंधक जी.के. शर्मा ने संपर्क पोर्टल की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पोर्टल के प्रमुख मॉड्यूलग्रीवेंस मैनेजमेंट , सर्विस डिलीवरी मॉनिटरिंग, रियलिटी चेक सर्वे, ई-जनसुनवाई एवं निरीक्षणके बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का विभिन्न स्तरों पर विश्लेषण किया जाता है, जिससे संबंधित विभागों द्वारा उनका शीघ्र और प्रभावी निस्तारण संभव हो पाता है।

जल जीवन मिशन घोटाला मामले में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बृहस्पतिवार को करोड़ों रुपये के जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाला मामले में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल को नयी दिल्ली से गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। जयपुर की एक अदालत ने लंबे समय से फरार अग्रवाल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने प्रेसवार्ता में बताया, जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चार और गिरफ्तारियां लंबित थीं, जिनमें से एक आरोपी सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। गुप्ता ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गणपति ट्यूबवेल्स और श्याम ट्यूबवेल्स नामक कंपनियों ने निविदा प्रक्रिया में फर्जी प्रमाणपत्र जमा किए और संबंधित अधिकारियों ने जानकारी होने के बावजूद कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रिया में एक विशेष शर्त से कंपनियों की पहचान उजागर हुई, जो अनुचित थी। उन्होंने कहा कि एसीबी ने अग्रवाल समेत चार आरोपियों के खिलाफ स्थायी वारंट प्राप्त किए हैं तथा अब उनकी गाड़ियों की नीलामी की जाएगी और संपत्तियों को जब्त किया जाएगा।

ओडिशा: एनआईए ने भुवनेश्वर विस्फोट की जांच शुरू की

भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जनवरी में भुवनेश्वर में हुए विस्फोट की जांच शुरू कर दी है। इस विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनआईए की तीन सदस्यीय टीम ने यहां एयरफील्ड थाने का दौरा किया और आजाद नगर में 27 जनवरी को हुए विस्फोट के संबंध में प्राथमिकी तथा फोरेंसिक रिपोर्ट सहित दस्तावेज एकत्र किए। उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं ने जनवरी में विस्फोट स्थल का दौरा किया था और शुरुआती पड़ताल के हिस्से के रूप में फोरेंसिक साक्ष्य तथा सीसीटीवी फुटेज की जांच की थी। भुवनेश्वर के सहायक पुलिस आयुक्त (जोन 2) कृष्ण चंद्र पालेई ने यहां पत्रकारों से कहा, कानूनी प्रक्रिया के अनुसार, यह मामला एनआईए को सौंपा जा रहा है। वे जो भी दस्तावेज मांगेंगे, हम उन्हें उपलब्ध कराएंगे।

बिहार में मुख्यमंत्री पद के लिए सम्राट चौधरी के समर्थन में लगे पोस्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के अगले मुख्यमंत्री के नाम को लेकर विभिन्न वर्गों में जारी अटकलों के बीच, बृहस्पतिवार को पटना स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय के बाहर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के समर्थन में पोस्टर लगाए गए लेकिन इनमें से कुछ पोस्टर को बाद में पार्टी कार्यालय के कर्मचारियों ने हटा दिया।

यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए दिल्ली रवाना होने के बीच सामने आया। पोस्टर पर 'वाल्मीकि समाज' का नाम अंकित था। यह दलित समुदाय पारंपरिक रूप से सफाई कार्य से जुड़ा माना जाता है।

भाजपा की प्रदेश इकाई के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने संवाददाताओं से कहा, ''हमें नहीं पता कि ये पोस्टर किसने लगाए हैं।

फिलहाल इतना ही कहा जा सकता है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाएगा, जैसा कि पार्टी की परंपरा रही है।''

इस बीच कयास लगाए जा रहे हैं कि शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद कुमार अगले सप्ताह अपनी कैबिनेट की अंतिम बैठक कर सकते हैं और उसके बाद मुख्यमंत्री पद छोड़ सकते हैं। चौधरी, मुख्यमंत्री पद की दौड़ में अग्रणी नेताओं में गिने जा रहे हैं।

प्रभावशाली पिछड़ा वर्ग समूह कोइरी जाति से ताल्लुक रखने वाले चौधरी को 2023 में भाजपा की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष बनाया गया था और जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में लौटने के बाद 2024 में उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया।

पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में राजग के सत्ता में लौटने पर चौधरी फिर उपमुख्यमंत्री बने और इस बार उन्हें गृह विभाग भी मिला, जिसे अब तक कुमार छोड़ने से हिचकते रहे थे।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, 243 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में सबसे बड़ी पार्टी भाजपा नई सरकार का गठन 14 अप्रैल के बाद कर सकती है। इस दिन हिंदू पंचांग का एक माह का अशुभ काल 'खरमास' समाप्त हो जाएगा।

नीतीश कुमार आज राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। उनके राज्यसभा जाने के साथ बिहार में नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा।

कुमार बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे और हवाई अड्डे पर जद(यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा सहित पार्टी के नेताओं ने उनका स्वागत किया। कुमार ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, ''मैं यहां शपथ लेने आया हूं।'' उन्हें राज्यसभा सभापति सी पी राधाकृष्णन के कक्ष में उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने के साथ ही बिहार में उनका शासनकाल समाप्त हो जाएगा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 14 अप्रैल को बिहार के नए मुख्यमंत्री का चुनाव कर सकता है।

बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद शपथ लेंगे और जल्द ही मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे।

निवेश के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले गिरोहों का भंडाफोड, दो गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उसके सरगना को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ द्वारा जारी बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक एसटीएफ ने शेयर बाजार और आईपीओ में अच्छी कमाई का लालच देकर निवेशकों को धोखा देने के आरोप में गाजियाबाद के रूपेश भारश्रे (26) को गिरफ्तार किया। रूपेश को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की एक शिकायत के बाद आठ अप्रैल को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तारी किया गया। अधिकारियों के अनुसार, भारश्रे एक कंपनी संचालित करता था, जो सेबी में पंजीकृत नहीं थी और वह निवेशकों का विश्वास हासिल करने के लिए फर्जी शेयर प्रमाणपत्र और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करता था। उसके कब्जे से जाली आधार कार्ड, चार मोबाइल फोन, एक पैन कार्ड, पासबुक और बैंक स्टेटमेंट आदि बरामद किए गए।

खरगे पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस का हमला, कहा-'यह पूरे दलित समाज का अपमान'

पटना/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की कथित टिप्पणी को लेकर पार्टी की बिहार इकाई के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि उनका (पार्टी अध्यक्ष का) अपमान पूरे देश के दलित समाज का अपमान है। राम ने यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रेसवार्ता में कहा कि भाजपा और संघ परिवार की दलित विरोधी मानसिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस समाज को सदियों तक हाशिये पर रखा गया, वही समाज अब पूरी ताकत के साथ मुख्यधारा में अपनी जगह बना रहा है और यही बात भाजपा एवं संघ परिवार को असहज कर रही है। उन्होंने कहा कि सम्मान की लड़ाई भूख की लड़ाई से भी बड़ी होती है और देश का दलित समाज अपने अपमान का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा एक दलित नेता का राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ता कद बर्दाश्त नहीं कर पा रही है और यही कारण है कि उसके नेताओं में तिलमिलाहट दिखाई दे रही है। इस मौके पर कांग्रेस अभय दुबे ने कहा कि खरगे और राहुल गांधी की सोच देश में सभी वर्गों को समान सम्मान और समान अवसर देने की है।

मोदी नारी शक्ति पर उपदेश देते हैं जबकि भाजपा बलात्कारियों को माला पहनाती है : सागरिका घोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस नेता सागरिका घोष ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिलाओं के अधिकारों के मामले में केवल बयानबाजी करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारी-शक्ति की बात करते हैं, जबकि उनकी पार्टी ''बलात्कारियों को माला पहनाती है।''

राज्यसभा में तृणमूल की उपनेता घोष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी की पिछली टिप्पणियों की भी आलोचना की, जिसमें 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर की गई उनकी ''दीदी-ओ-दीदी'' वाली टिप्पणी भी शामिल है।

घोष ने कहा, ''दीदी-ओ-दीदी' कहकर मजाक उड़ाने से लेकर '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड' जैसे भद्दे कटाक्ष के बाद मोदी अब नारी शक्ति पर उपदेश दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''ऐसी पार्टी को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, जो यौन उत्पीड़न के आरोपियों की रक्षा करती है, बलात्कारियों को माला पहनाती है, और शक्तिशाली लोगों को बचाती है।''

घोष ने कहा कि यह सशक्तीकरण नहीं बल्कि 'चुनावी नौटंकी' है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर भाजपा महिलाओं के अधिकारों पर सिर्फ बयानबाजी तक सीमित है। उन्होंने भाजपा पर पाखंड के साथ लैंगिक समानता के उद्देश्य को नष्ट करने का भी आरोप लगाया।

बंगाल में 'अराजकता और घुसपैठ' को लेकर प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर अराजकता फैलाने और 2022 के बोगतुई नरसंहार का जिक्र करते हुए 'महाजंगल राज' फैलाने का आरोप लगाया, जिसमें बीरभूम जिले में लगभग 10 महिलाओं और बच्चों को जिंदा जला दिया गया था।

बीरभूम जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस का नारा 'मां-माटी-मानुष' महज एक बयानबाजी बनकर रह गया है। मोदी ने कहा, प. बंगाल में कुटीर उद्योग का पतन हो रहा है, जबकि टीएमसी ने कच्चे बम बनाने को एक कुटीर उद्योग में बदल दिया है। 2022 में बोगतुई में हुआ नरसंहार, जिसमें लगभग 10 महिलाओं और बच्चों को जिंदा जला दिया गया था, टीएमसी के 'महा जंगलराज' का प्रमाण है। उन्होंने कहा, टीएमसी शासन के दौरान घुसपैठियों द्वारा भूमि हड़पने का सिलसिला खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। घुसपैठिए कम वेतन पर काम लेकर स्थानीय लोगों की नौकरियां छीन रहे हैं। भाजपा के बंगाल में सत्ता में आने के बाद इन्हें निर्वासित कर दिया जाएगा और इनके सहयोगियों को जेल भेजा जाएगा। मोदी ने टीएमसी पर आदिवासियों का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने दलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली राष्ट्रपति को भी नहीं बख्शा है। टीएमसी पर मनरेगा कोष की चोरी का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से भाजपा को चुनने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, हम बंगाल में 'वीबी-जी राम जी' योजना लागू करेंगे और लाभार्थियों के खातों में सीधे धन अंतरित करेंगे।

असम चुनावों में जबरदस्त मतदान बदलाव का संकेत है: गौरव गोगोई

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने राज्य में बदलाव के लिए बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए लोगों को बृहस्पतिवार को धन्यवाद दिया। गोगोई ने एक बयान में कहा कि लोगों ने ''नए बोर-असम'' (नए और ग्रेटर असम) और नए नेतृत्व की उम्मीद में मतदान किया। उन्होंने कहा, ''अब निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है कि वह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की सुरक्षा सुनिश्चित करे और चार मई को मतों की सही गिनती कराए।'' गोगोई ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा और राज्य के प्रभारी चुनाव पर्यवेक्षकों को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने गठबंधन सहयोगियों - रायजोर दल के अध्यक्ष अखिल गोगोई, असम जातीय परिषद के प्रमुख लुरिनज्योति गोगोई, माकपा के राज्य सचिव सुप्रकाश तालुकदार, भाकपा (माले) के राज्य सचिव बिबेक दास और एपीएचएलसी के अध्यक्ष जॉन इंगती कथार के प्रति आभार व्यक्त किया।

बम हमले के विरोध में मणिपुर घाटी के विभिन्न जिलों में प्रदर्शन, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

इंफाल/भाषा। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक घर पर बम हमले के विरोध में राज्य के घाटी के पांच जिलों में हजारों प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए रैलियां निकालीं और टायर जलाए। बिष्णुपुर जिले में बम हमले की इस घटना में दो बच्चों की मौत हो गई थी।

इंफाल पश्चिम जिले के टिडिम लाइन में संगठन 'ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन' (एएमयूसीओ) के तत्वावधान में सैकड़ों लोगों ने क्राकेइथेल के पास स्थित संगठन के कार्यालय से रैली निकाली, जिसमें हत्याओं की निंदा की गई और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई। हमले में मारे गए दो नाबालिगों के पोस्टर लिए हुए कई बच्चे भी रैली में शामिल हुए जिन्हें सुरक्षा बलों ने क्राकेइथेल के पास आगे बढ़ने से रोक दिया। बाद में मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह से मुलाकात के लिए एएमयूसीओ के प्रतिनिधियों एवं अन्य को ले जाया गया ताकि वे अपनी चिंताओं को उनके सामने रख सकें।

असम में मतदान समाप्त, 84.42 फीसदी मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम विधानसभा चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार शाम पांच बजे समाप्त हो गया, जिसमें लगभग 84.42 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 2021 के असम विधानसभा चुनाव में 82.04 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिशों में जुटा है। वहीं, विपक्षी दल कांग्रेस राज्य में एक दशक पहले गंवाई गई सत्ता को वापस पाने का प्रयास कर रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, दलगांव में सबसे अधिक 94.57 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि सबसे कम 70.40 फीसदी मतदान अमरी में दर्ज किया गया।

असम विधानसभा चुनाव में कुल 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के 35 जिलों के 31,490 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक वोट डाले गए। मतगणना चार मई को होगी।

छत्तीसगढ़ में दो लाख से अधिक शिक्षकों को मिलेगा एआई प्रशिक्षण

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में 'एआई सक्षम शिक्षा अभियान' की शुरुआत की जाएगी जिसके तहत राज्य में दो लाख से अधिक शिक्षकों को एआई प्रशिक्षण दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा को भविष्य की तकनीकों से जोड़ते हुए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित नवाचारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गूगल फॉर एजुकेशन इंडिया के प्रमुख संजय जैन और गूगल इंडिया के पब्लिक पॉलिसी प्रमुख राजेश रंजन ने सौजन्य मुलाकात की।

गूगल फॉर एजुकेशन इंडिया के प्रमुख संजय जैन ने रायपुर जिला प्रशासन और गूगल के मध्य हुए लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) की जानकारी साझा करते हुए बताया कि रायपुर जिले में पायलट परियोजना के रूप में एआई सक्षम शिक्षा अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के माध्यम से स्कूल शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचारों को बढ़ावा दिया जाएगा।

हुमायूं कबीर के कथित वीडियो को लेकर छिड़ा राजनीतिक विवाद, एजेयूपी नेता ने बताया एआई जनित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले हुमायूं कबीर का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने पर बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल में राजनीतिक विवाद छिड़ गया।

वीडियो में वह भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से संबंध होने और विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराने के प्रयासों का कथित तौर पर दावा करते नजर आ रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने संवाददाता सम्मेलन में कथित वीडियो साझा किया और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के साथ कबीर की कथित निकटता के दावों की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच की मांग की। पार्टी का आरोप है कि ये दावे बनर्जी को चुनाव में हराने की साजिश का हिस्सा हैं।

'पीटीआई-भाषा' स्वतंत्र रूप से वीडियो की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं कर रही है। वीडियो में, कबीर को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह बनर्जी को सत्ता से हटाने के लिए ''किसी भी हद तक'' जाने को तैयार हैं और वह शुभेंदु अधिकारी सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं। कबीर ने वीडियो को कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) की मदद से निर्मित और उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से बनाया गया बताया है और कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दी। पिछले साल के अंत में तृणमूल द्वारा निलंबित किए जाने के कुछ दिनों बाद उन्होंने 'आम जनता उन्नयन पार्टी' (एजेयूपी) की स्थापना की थी। कबीर कथित तौर पर यह दावा करते भी सुनाई दे रहे हैं कि उन्होंने पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) के साथ बातचीत की थी और उन्हें अन्य भाजपा शासित राज्यों के नेताओं के साथ समन्वय करने की सलाह दी गई थी।

वीडियो में कथित तौर पर कबीर यह कहते हुए भी नजर आ रहे हैं कि उनकी रणनीति सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से अल्पसंख्यक वोटों को अपने पक्ष में करने के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जिससे यह संकेत मिलता है कि इस तरह के बदलाव से भाजपा को चुनावी रूप से फायदा हो सकता है। वीडियो में, उन्होंने कथित तौर पर योजना को अंजाम देने के लिए 1,000 करोड़ रुपए के सौदे के हिस्से के रूप में अग्रिम के रूप पर 200 करोड़ रुपए प्राप्त करने का जिक्र किया है।

इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, तृणमूल के वरिष्ठ नेता और मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि कबीर अल्पसंख्यक मतदाताओं को गुमराह करने के लिए भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। कबीर से मुस्लिम समुदाय की भावनाओं और संवेदनाओं को हल्के में न लेने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि वीडियो राज्य में चुनावी परिणाम को प्रभावित करने के उद्देश्य से रची गई एक ''गहरी साजिश का पर्दाफाश'' करता है। हकीम ने आरोप लगाया कि वीडियो में कबीर को यह कहते हुए सुना गया कि बाबरी मस्जिद के मुद्दे को उठाना मुस्लिम वोटों को जुटाने में अधिक प्रभावी होगा, भले ही अंततः यह फलीभूत न हो।

भाजपा के प्रवक्ता देबजीत सरकार ने कहा कि टीएमसी ने यह महसूस करने के बाद कि वे इस बार सत्ता में वापस नहीं आएंगे, सस्ते हथकंडे अपनाए हैं।

ब्राजील की लॉरा कारडोसो ने नौ विकेट के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय में इतिहास रचा

दुबई/भाषा। ब्राजील की तेज गेंदबाज लॉरा कारडोसो ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह पुरुषों या महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। कारडोसो ने लेसोथो के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार रन देकर नौ विकेट चटकाए जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े है। उन्होंने गैबोरोन में बोत्सवाना क्रिकेट संघ ओवल दो मैदान पर बीसीए कालाहारी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल की। पिछला रिकॉर्ड भूटान की सोनम येशे के नाम था जिन्होंने 2025 में पुरुषों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में म्यांमार के खिलाफ सात रन देकर आठ विकेट लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय में कारडोसो ने इंडोनेशिया की रोहमालिया के 2024 में मंगोलिया के खिलाफ बिना रन के सात विकेट चटकाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। मैच में ब्राजील ने रॉबर्टा एवरी (35 गेंद पर 48 रन) और मोनिके (41 गेंद पर नाबाद 69 रन) की शानदार पारियों की मदद से 202 रन का बड़ा स्कोर बनाया।

भाजपा ने सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूची से 90 लाख से अधिक नाम हटाए: ममता का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूचियों से 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव जीतेगी।

उत्तर 24 परगना जिले के मीनाखान में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम शामिल कराने के लिए अदालत का रुख करेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, आपने बंगाल में सत्ता हथियाने के लिए 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटा दिए, लेकिन चुनाव हम ही जीतेंगे। उनकी यह टिप्पणी राज्य में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने के संदर्भ में आई। तृणमूल प्रमुख ने आरोप लगाया, भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बांग्ला भाषी लोगों को विदेशी बताया जा रहा है और उन्हें घुसपैठिया कहा जा रहा है। उन्होंने चुनाव को जनता के अस्तित्व और बंगाल की पहचान की लड़ाई करार दिया। ममता बनर्जी ने मतदाताओं से सतर्क रहने और बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि यह भागीदारी ही पश्चिम बंगाल के लोगों के अधिकारों और पहचान की रक्षा करेगी। इसी जिले के पाल्टा में एक अन्य रैली में उन्होंने दावा किया, भाजपा अपनी रैलियों में भीड़ जुटाने के लिए लोगों को 500 रुपए तक दे रही है। भाजपा नेतृत्व को आगाह करते हुए उन्होंने कहा, अगस्त 2026 से भाजपा का अंत तय है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया, वे (भाजपा) परिसीमन विधेयक के जरिए पश्चिम बंगाल को तीन हिस्सों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिए बिना, उन्हें 'मोटा भाई' कहकर संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियों के जरिए लोगों को डराने का प्रयास किया जा रहा है।

सुविचार

जीवन एक खेल है, इसे खिलाड़ी की तरह खेलें, दर्शक की तरह नहीं। मैदान छोड़कर भागने वाले कभी विजेता नहीं बनते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धन की सुरक्षा के लिए ज्ञान में निवेश

दिल्ली पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन साय-हॉक' के दौरान 600 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी और 8,300 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिए जाने से पता चलता है कि राष्ट्रीय राजधानी में साइबर अपराध गहरी जड़ें जमा चुका है। देश के कई शहर साइबर अपराधियों के गढ़ बनते जा रहे हैं। ये अपने काम में इतनी महारत हासिल कर चुके हैं कि आम लोगों के अलावा उच्च शिक्षित और अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ भी इनके शिकार बन रहे हैं। उत्तराखंड में एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी को साइबर ठगों ने 10 लाख रुपए का चूना लगा दिया। उन्होंने अपने सेवाकाल में हजारों खाता धारकों को सलाह दी होगी, अपनी धनराशि को सुरक्षित रखने के तरीके बताए होंगे, लेकिन जब खुद झांसे में आए तो अपनी कमाई गंवा बैठे। पुणे के एक 75 वर्षीय डॉक्टर रातोंरात मालामाल होना चाहते थे। उनके पास लगभग 12 करोड़ रुपए थे। उन्हें किसी ने वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़कर सलाह दी कि 'अपनी धनराशि हमारी योजना में निवेश कीजिए और भरपूर मुनाफा कमाइए।' उन्होंने अनजान व्यक्ति पर विश्वास कर निवेश कर दिया। कुछ दिन बाद उन्होंने अपना मुनाफा मांगा तो धमकी मिली। उनके करोड़ों रुपए डूब गए। इतने उच्च शिक्षित व्यक्ति ने सिर्फ मोबाइल फोन पर मिले प्रस्ताव को सच मान लिया! पुणे में ही एक बुजुर्ग महिला, जो आर्थिक रूप से जागरूक और उच्च शिक्षित हैं, को साइबर अपराधियों ने नकली सीबीआई अधिकारी बनकर वीडियो कॉल पर धमकाया और चार दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। इसके बाद उनसे 97 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। दिल्ली के एक प्रोफेसर को केवाईसी अपडेट कराने के लिए कहा गया। उन्होंने साइबर ठगों को ओटीपी समेत पूरा विवरण दे दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि प्रोफेसर के 15 लाख रुपए निकल गए।

हैदराबाद के एक वकील को फोन पर बताया गया कि उनके पार्सल में अवैध सामग्री मिली है। इसके बाद उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया। उनसे लाखों रुपए ठग लिए गए। वकील को यह भी नहीं पता था कि कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा कोई प्रावधान नहीं है। हाल में एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश डिजिटल अरेस्ट के शिकार हो गए। उन्हें साइबर ठगों ने इतना धमकाया कि उनके खातों में एक करोड़ रुपए से ज्यादा ट्रांसफर कर दिए। साइबर ठगी का यह तरीका इतना प्रचलित हो चुका है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों को सावधान किया था। इसके बावजूद लोग फंसते जा रहे हैं। उच्च शिक्षित लोग ज्यादा ठगे जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि आईटी प्रोफेशनल भी साइबर ठगों के झांसे में आ रहे हैं! जो तकनीक के बड़े जानकार हैं, वे साइबर जालसाजों की चाल समझने में गलती कर रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह है- अतिआत्मविश्वास। कई उच्च शिक्षित लोग सोचते हैं- 'मुझे तो बहुत जानकारी है, इसलिए कोई व्यक्ति धोखा नहीं दे सकता।' यह सोच उन्हें थोड़ा लापरवाह बना देती है। वे लोग भी साइबर ठगों के जाल में ज्यादा फंस रहे हैं, जो नियमित रूप से समाचार नहीं पढ़ते। अक्सर लोग घंटों सोशल मीडिया देखते हैं, लेकिन 15 मिनट अख़बार नहीं पढ़ना चाहते। उन्हें लगता है कि समाचार पढ़ना-सुनना समय की बर्बादी है। उन्हें इसका महत्त्व तब पता चलता है, जब साइबर ठगी के बाद कोई जागरूक व्यक्ति कहता है- 'क्या आप अख़बार नहीं पढ़ते? वहां तो ऐसे समाचार रोजाना छप रहे हैं!' सरकार साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, नए नियम लागू कर रही है, लेकिन ऐसे अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं। इनसे सुरक्षित रहने के लिए खुद को जागरूक होना पड़ेगा। अपने धन की सुरक्षा करने के लिए अपने ज्ञान में रोजाना थोड़ा-थोड़ा निवेश करना होगा।

ट्वीटर टॉक

लेजिस्लेटिव बॉडीज़ में महिलाओं के लिए रिज़र्वेशन आज के समय की ज़रूरत है! इससे हमारी डेमोक्रेसी और भी ज़्यादा वाइब्रेंट और पार्टिसिपेटिव बनेगी। इस रिज़र्वेशन को लाने में कोई भी देरी बहुत बुरा होगा।

-नरेन्द्र मोदी

गोवा में कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन इंडिया रीजन ज़ोन तखख के पहले कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। आज और कल, इस महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस के प्लेनरी सेशन में दो बहुत महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

-ओम बिरला

ममता दीदी के गलत राज में खेत बंजर पड़े हैं और अन्नदाता परेशान हैं। यहां किसान अपने आलू औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर हैं। मैं खुद खेतों में पहुंचा, किसानों से मिला, तो उनकी आंखों में चिंता साफ दिख रही थी।

-शिवराजसिंह चौहान

प्रेरक प्रसंग

शिक्षा और समर्पण

छात्र जीवन में जब डॉ. भीमराव अंबेडकर अमेरिका में पढ़ाई कर रहे थे, वे रोज सबसे पहले लाइब्रेरी पहुंचते और उसके बंद होने तक लगातार पढ़ते रहते थे। उनकी इस आदत को देखकर लाइब्रेरी का एक कर्मचारी बहुत प्रभावित हुआ। एक दिन उसने उनसे पूछा, 'आपकी उम्र के लोग पढ़ाई के साथ-साथ मौज-मस्ती भी करते हैं, लेकिन आप हमेशा पढ़ते ही रहते हैंऐसा क्यों?' अंबेडकर जी ने शांत भाव से उत्तर दिया, 'मेरे जीवन में एक बड़ा लक्ष्य है। मैं केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए पढ़ रहा हूं। मुझे शिक्षा के माध्यम से बहुत कुछ बदलना है।' यह सुनकर कर्मचारी आश्चर्यचकित रह गया और उनकी लगन की प्रशंसा करने लगा।

सामयिक

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाठ्यक्रम में सभी भारतीय भाषाओं को समान सम्मान मिले और विद्यार्थियों को अपने पसंद की भाषा चुनने की पूरी आजादी मिले। यह ध्यान देने योग्य बात है कि इस शैक्षणिक सत्र में कर्नाटक में 93 प्रतिशत विद्यार्थियों ने तृतीय भाषा के रूप में हिन्दी को चुना है। इससे क्षेत्रीय अस्मिता और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन बना रहेगा।

सभी भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने वाली हो शिक्षा नीति

डॉ. विनय कुमार यादव

मोबाइल : 98809 01529

भारत की भाषाई विविधता एक ओर हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है, तो दूसरी ओर यह प्रशासनिक और शैक्षणिक दृष्टि से एक जटिल चुनौती प्रस्तुत करती है। हमारे देश में सैंकड़ों भाषाएं और बोलियां प्रचलित हैं जिनमें बाइस भाषाएं संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त हैं। ऐसे बहुभाषी समाज में संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से भारत सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में त्रि-भाषा सूत्र को अपनाया।

त्रि-भाषा सूत्र का शुभारंभ वर्ष 1968 में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा राज्यों के परामर्श से किया किया गया। इसका उद्देश्य था छात्रों को उनकी मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा के साथ साथ एक अन्य भारतीय भाषा और अंग्रेजी का ज्ञान प्रदान करना। यह नीति भारतीय एकता को सुदृढ़ करने के साथ भाषाई संतुलन बनाए रखने का एक प्रयास थी। इस सूत्र के अंतर्गत सामान्यता क्षेत्रीय भाषा या मातृ भाषा

1. हिन्दी (गैर-हिन्दी राज्यों में) या अन्य भारतीय भाषा (हिन्दी राज्यों में)
2. अंग्रेजी या विदेशी भाषा को शिक्षा में शामिल किया गया। समकालीन संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 2020 में एक बार फिर मातृभाषा आधारित शिक्षा पर बल दिया गया। नई शिक्षा नीति में यह स्पष्ट किया गया है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा या स्थानीय भाषा में दी जानी चाहिए। साथ ही त्रि-भाषा सूत्र को लचीले रूप में लागू करने कि बात कही गई है किन्तु इस नीति के क्रियान्वयन में कर्नाटक सरकार ने अपने तरीके अपनाए जिसके कारण विवाद उत्पन्न हो गया। कर्नाटक में नई शिक्षा नीति के लागू होने के बाद भाषा को लेकर एक महत्वपूर्ण मसला सामने आया। कर्नाटक सरकार द्वारा महाविद्यालयों में कन्नड़ को अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि कई संस्थानों में हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं को पाठ्यक्रम से हटाने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। इस निर्णय का व्यापक विरोध हुआ, विशेषकर हिन्दी और अन्य भाषाओं के प्राध्यापकों द्वारा। उनका तर्क था कि सरकार का यह कदम त्रिभाषा सूत्र की मूल भावना के विपरीत है जो भाषाई विविधता को कमजोर और असंतुलित करता है। प्राध्यापकों को न्यायालय का सहारा लेना पड़ा जहां कोर्ट ने हस्तक्षेप करते हुए इस निर्णय पर स्थगन आदेश दे दिया। यह निर्णय इस बात का संकेत था कि भाषा नीति को लागू करते समय संतुलन और संवैधानिक मूल्यों का ध्यान रखना आवश्यक है।

हाल ही में कर्नाटक के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा द्वारा कक्षा दस में बदलाव का प्रस्ताव सामने लाया गया। उन्होंने सुझाव दिया कि तृतीय भाषा हिंदी विषय के मूल्यांकन में बदलाव कर अंक की जगह केवल ग्रेड दिए जाएं। इस प्रस्ताव ने शिक्षा जगत में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। समर्थकों का मानना है कि ग्रेडिंग प्रणाली से छात्रों पर मानसिक दबाव कम होगा और समग्र क्षमता का मूल्यांकन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। वहीं आलोचकों का कहना है कि अंक प्रणाली हटाने से प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा में प्रवेश के दौरान कर्नाटक के बच्चों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता हैं। इस प्रकार यह प्रस्ताव एक नए विवाद का विषय बन गया है जिसने शिक्षा नीति और मूल्यांकन प्रणाली पर व्यापक चर्चा को जन्म दिया है।

इस घटना से त्रि-भाषा सूत्र की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। यह केवल एक शैक्षणिक नीति नहीं है, बल्कि भारत की विविधता में एकता को बनाए रखने का माध्यम भी है। त्रिभाषा सूत्र के माध्यम से कर्नाटक के छात्र हिन्दी भाषा सीख पा रहे हैं। दक्षिण का यह राज्य हिंदी भाषा के माध्यम से देश की मुख्यधारा से जुड़ पा रहा है। केंद्र सरकार की नौकरियों में कर्नाटक के अधिक से अधिक युवा जा रहे हैं। साथ ही हिंदी जानने की वजह से ही यहाँ के व्यापारी पूरे भारत में अपना व्यापार कर पा रहे हैं। हिंदी की उपेक्षा से न केवल शैक्षणिक असंतुलन बढ़ता है बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक तनाव भी पैदा होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाठ्यक्रम में सभी भारतीय भाषाओं को समान सम्मान मिले और विद्यार्थियों को अपने पसंद की भाषा चुनने की पूरी आजादी मिले। यह ध्यान देने योग्य बात है कि इस शैक्षणिक सत्र में कर्नाटक में 93 प्रतिशत विद्यार्थियों ने तृतीय भाषा के रूप में हिन्दी को चुना है। इससे क्षेत्रीय अस्मिता और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन बना रहेगा।

भारत की भाषाई विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है लेकिन इसे संभालना भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। त्रि-भाषा सूत्र इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है जिसका उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करना तथा भाषा संतुलन और समावेशिता को बढ़ावा देना है। कर्नाटक का हालिया विवाद यह दर्शाता है कि भाषा और शिक्षा नीति आज भी संवेदनशील विषय है। अतः यह आवश्यक है कि नीतियों को लागू करते समय संवाद, सहमति और संवैधानिक मूल्यों को प्राथमिकता दी जाए। तभी एक ऐसे भारत का निर्माण हो सकेगा जहाँ सभी भारतीय भाषाएं समृद्ध होंगी।

- लेखक बिशप काटन विमेन्स क्रिश्चियन कालेज में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हैं।

नजरिया

युद्ध के मुहाने से लौटी दुनिया

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

इस पूरे घटनाक्रम से एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि कूटनीति से भी लड़े जाते हैं। कई बार पर्दे के पीछे होने वाली बातचीत ही युद्ध को टाल देती है। इस मामले में भी अंतिम क्षणों में हुई बातचीत ने एक बड़े विनाश को रोक दिया। यदि यह बातचीत विफल हो जाती, तो परिणाम बेहद भयावह हो सकते थे।

दुनिया कभी-कभी ऐसे मोड़ों पर आ खड़ी होती है, जहाँ एक निर्णय पूरी सभ्यता के भविष्य को बदल सकता है। हाल के घटनाक्रम में यही स्थिति तब बनी जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अपने चरम पर पहुँच गया। वातावरण इतना तनावपूर्ण था कि किसी भी क्षण युद्ध का विस्तार एक बड़े विनाश में बदल सकता था। अमेरिका की सेना और उसके रक्षा तंत्र पूरी तरह तैयार थे और संकेत का इंतजार कर रहे थे कि कब हमला शुरू किया जाए। दूसरी ओर ईरान भी अपनी रक्षा और जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार बैठा था। यह केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गया था, बल्कि पूरे क्षेत्र और विश्व व्यवस्था के लिए एक गंभीर संकट बन चुका था। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका ने ईरान को कड़ा संदेश देते हुए बड़े पैमाने पर हमले की चेतावनी दे दी थी। यदि यह हमला होता, तो ईरान के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुँच सकता था। इसके परिणामस्वरूप ईरान की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया आती, जो पूरे मध्यपूर्व को युद्ध की आग में झोंक सकती थी। इस पूरे घटनाक्रम में आम लोगों की स्थिति सबसे अधिक भयावह थी। ईरान के भीतर लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की तलाश में निकलने लगे थे, जबकि खाड़ी क्षेत्र के देश भी संभावित हमलों से बचने की तैयारी कर रहे थे।

इसी बीच कूटनीतिक प्रयास भी तेजी से चल रहे थे। कई देशों ने इस संकट को टालने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य था कि किसी तरह दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी रहे और युद्ध टल सके। ईरान की ओर से एक प्रस्ताव सामने आया, जिसमें कई शर्तें रखी गई थीं। शुरू में इस प्रस्ताव को स्वीकार्य नहीं माना गया, लेकिन बातचीत की प्रक्रिया जारी रही। धीरे-धीरे यह स्पष्ट होने लगा कि दोनों पक्ष युद्ध से बचना चाहते हैं, भले ही सार्वजनिक रूप से वे कठोर रुख अपनाए हुए हों। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे दिलचस्प बात यह रही कि निर्णय लेने की प्रक्रिया बेहद अनिश्चित और उलझी हुई थी। अमेरिका के भीतर भी यह स्पष्ट नहीं था कि अंतिम निर्णय क्या होगा। स्वयं उसके नेतृत्व के करीबी लोगों को भी यह अंदाजा नहीं था कि अगला कदम क्या होगा। एक ओर कठोर बयान दिए जा रहे थे, तो दूसरी ओर बातचीत के रास्ते खुले रखे जा रहे थे। यह द्वंद्व इस बात को दर्शाता है कि आधुनिक राजनीति में शक्ति और कूटनीति दोनों साथ-साथ चलते हैं।

ईरान के भीतर भी निर्णय लेने की प्रक्रिया जटिल थी। वहाँ की सत्ता संरचना में अंतिम निर्णय शीर्ष नेतृत्व के हाथ में होता है। इस कारण अंतिम सहमति मिलने में समय लगा। लेकिन जब अंततः समझौते की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत मिला, तो बातचीत ने तेजी पकड़ ली। बताया जाता है कि यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि इसमें सैन्य नेतृत्व और अन्य शक्तिशाली संस्थाओं को भी सहमत करना पड़ा। इसके बावजूद यह कदम उठाया गया, जो इस बात का संकेत है कि युद्ध की कीमत दोनों पक्ष समझ रहे थे। अंततः जो समझौता सामने आया, वह स्थायी शांति नहीं बल्कि अस्थायी विराम था। दोनों पक्षों ने कुछ समय के लिए संघर्ष रोकने पर सहमति जताई। इस समझौते के तहत समुद्री मार्ग को फिर से खोलने और आगे की बातचीत जारी रखने का रास्ता बनाया गया। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि इस मार्ग से विश्व का बड़ा हिस्सा तेल आपूर्ति पर निर्भर करता है। यदि यह बंद रहता, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ता। हालाँकि यह समझौता होने के बाद भी स्थिति पूरी तरह शांत नहीं हुई। कई जगहों पर संघर्ष जारी रहने की खबरें सामने आईं और इस बात को लेकर भी मतभेद रहे कि समझौते की शर्तें क्या हैं और उनका पालन कैसे किया जाएगा। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल एक अस्थायी राहत है, न कि स्थायी समाधान। दोनों पक्षों के बीच कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर अभी भी गहरे मतभेद हैं, जैसे परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध और क्षेत्रीय प्रभाव। इस पूरे घटनाक्रम से एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि कूटनीति से भी लड़े जाते हैं। कई बार पर्दे के पीछे होने वाली बातचीत ही युद्ध को टाल देती है। इस मामले में भी अंतिम क्षणों में हुई बातचीत ने एक बड़े विनाश को रोक दिया। यदि यह बातचीत विफल हो जाती, तो परिणाम बेहद भयावह हो सकते थे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस संकट में कई देशों ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह दर्शाता है कि आज की दुनिया में कोई भी बड़ा संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहता।

उसका प्रभाव वैश्विक होता है और उसे सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक होता है। इसी सहयोग ने इस बार भी युद्ध को टालने में मदद की। फिर भी यह सवाल बना हुआ है कि क्या यह शांति स्थायी होगी। इतिहास बताता है कि अस्थायी समझौते अक्सर स्थायी समाधान में बदलने में सफल नहीं होते। जब तक मूल कारणों का समाधान नहीं होता, तब तक संघर्ष की संभावना बनी रहती है। इस मामले में भी कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान अभी बाकी है। यदि इन पर सहमति नहीं बनती, तो भविष्य में फिर से तनाव बढ़ सकता है।

अंत में यह कहा जा सकता है कि यह घटना केवल एक राजनीतिक या सैन्य घटनाक्रम नहीं है, बल्कि यह मानवता के लिए एक चेतावनी भी है। यह दिखाती है कि दुनिया कितनी तेजी से विनाश के करीब पहुँच सकती है और किस तरह अंतिम क्षणों में लिया गया एक निर्णय सब कुछ बदल सकता है। यह भी स्पष्ट होता है कि शांति केवल शक्ति से नहीं, बल्कि संवाद और समझ से संभव है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया कि चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी गंभीर क्यों न हों, यदि बातचीत के रास्ते खुले रहें तो विनाश को टाला जा सकता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि दोनों पक्ष अपने मतभेदों को समझदारी से सुलझाने की इच्छा रखें। यही इस घटना का सबसे बड़ा संदेश है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

स्वागत

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का गुरुवार को मालदा में वेस्ट बंगाल असेंबली इलेक्शन से पहले पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

एआई का लाभ उठाने के लिए कौशल उन्नयन, शिक्षा प्रणाली में सुधार जरूरी: कामत

नई दिल्ली/भाषा

दिग्गज बैंकर के वी कामत ने कृत्रिम मेधा (एआई) को अगले दशक की प्रमुख प्रवृत्ति बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इसका लाभ उठाने के लिए कौशल उन्नयन एवं शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार जरूरी है।

कामत ने यहां 'एआईएमए' के एक कार्यक्रम में हीरो एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील कांत मुंजाल के साथ बातचीत में कहा कि भारत को महंगे फाउंडेशनल मॉडल विकसित करने के बजाय एआई के व्यावहारिक उपयोगों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, एआई के लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) बनाना ही अंतिम लक्ष्य नहीं है... हमें यह देखना चाहिए कि इसके उपयोग कहां किए जा सकते हैं। कामत ने वित्तीय सेवाओं में एआई के उपयोग की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कॉल सेंटर जैसे क्षेत्रों में इसे आसानी से लागू किया जा सकता है, जिससे दक्षता बढ़ेगी, लागत घटेगी और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन और आईसीआईसीआई बैंक के पूर्व चेयरमैन कामत ने कहा कि एआई-आधारित बदलावों का पूरा लाभ उठाने के लिए शिक्षा पाठ्यक्रम में बड़े स्तर पर सुधार और युवाओं को उपयुक्त प्रशिक्षण देना आवश्यक है। देश की आर्थिक स्थिति पर उन्होंने कहा कि फिलहाल महंगाई और ब्याज दरें नियंत्रण में होने से नीति-निर्माताओं के लिए दरें स्थिर रखने या घटाने की गुंजाइश बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौरान भारतीय उद्योग ने मजबूत जुझारूपन दिखाया और हर बड़े संकट ने उत्पादकता एवं दक्षता बढ़ाने का अवसर दिया है।

कामत ने कहा कि कंपनियों को तेज गति से काम करने के साथ संतुलन भी बनाए रखना होगा, अन्यथा जोखिम बढ़ सकता है।

एआई के दौर में छात्र अपना ज्ञान किताबों तक सीमित न रखें : उपराज्यपाल संधू

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सतत नवाचार जैसी तकनीकों के दुनिया को नया आकार देने के बीच युवाओं से अपनी शिक्षा को सिर्फ डिग्रियों और किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखने की बृहस्पतिवार को गुजारिश की।

उपराज्यपाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्व विद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के 18वें दीक्षांत समारोह में शिरकत की और विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संधू ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा एक ऐसे दौर में कदम रख रहा है, जहां एआई और सतत नवाचार जैसी तकनीकें दुनिया को नया आकार दे रही हैं, इसलिए इस बदलते दौर में अपनी शिक्षा केवल डिग्रियों और किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखनी चाहिए, बल्कि इसमें भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप अनुकूलनशीलता, तार्किक सोच और नवाचार का साहस होना अनिवार्य है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 26,649 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 22,932 स्नातक, 3,582 स्नातकोत्तर, 11 एम.फिल. और 124 पीएचडी डिग्रियां शामिल हैं। इस वर्ष की पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में महिलाओं की 70 प्रतिशत भागीदारी रही। इसके अतिरिक्त, 76 गोल्ड मेडल और छह मेमोरियल अवॉर्ड्स भी मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। संधू ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक यात्रा का समापन नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में हजारों नई यात्राओं की शुरुआत है, इसलिए शिक्षा को केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि न मानकर, इसे समाज और राष्ट्र के प्रति एक जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए।

सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह की महान शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि ज्ञान न्याय और सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और भारत का भविष्य इन प्रतिभाशाली युवाओं के हाथों में सुरक्षित है, जो अपने साहस, उद्देश्य और समर्पण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे।वहीं, मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि छात्रों के वर्षों के कठिन परिश्रम, अटूट समर्पण और कड़े अनुशासन का प्रतिफल है।

गुप्ता ने कहा कि आज स्नातक हो रहे युवा ही 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने वाले वास्तविक सारथी हैं तथा उनकी प्रतिभा और सामर्थ्य ही देश को वैश्विक पटल पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग न केवल व्यक्तिगत प्रगति के लिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए भी करें।

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय द्वारा एआई, रोबॉटिक्स, डेटा साइंस और डिजाइन नवाचार जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

गुप्ता ने विशेष रूप से 'अटल इन्क्यूबेशन सेंटर' का उल्लेख करते हुए कहा कि 170 से अधिक स्टार्टअप को समर्थन देकर विश्वविद्यालय युवाओं को 'जॉब सीकर' (नौकरी मांगने वालों) के बजाय 'जॉब क्रिएटर' (नौकरी सृजित करने वाला) बना रहा है। मुख्यमंत्री ने मेडल व डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, हमारे युवाओं को जिस तरह की शिक्षा चाहिए, जैसी सुविधाएं चाहिए, हमारी सरकार उसी पर फोकस कर रही है।

व्यापार समझौते के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने को तैयार : सर्जियो गोर

वाशिंगटन/भाषा। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह इस महीने के अंत में वाशिंगटन पहुंचने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने और प्रस्तावित व्यापार समझौते पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं।गोर इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं। उन्होंने ग्रीर के साथ हुई इस बैठक को 'बेहद सार्थक' बताया। सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''दक्षिण और मध्य एशिया में अमेरिकी राष्ट्रपति की व्यापार प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए ग्रीर के साथ बेहद सार्थक बैठक हुई।'' उन्होंने कहा, ''अमेरिका और भारत पहले ही एक व्यापार समझौते पर सहमत हो चुके हैं और हम इस महीने के अंत में वाशिंगटन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने के लिए तत्पर हैं।''यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने वाशिंगटन में 'भारत-अमेरिका व्यापार सुविधा पोर्टल' की शुरुआत की।

अदालत ने फिल्मकार को आदित्य धर पर पटकथा चोरी का आरोप लगाने से रोका

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक अंतरिम आदेश दिया, जिसमें फिल्मकार संतोष कुमार को यह आरोप दोहराने से रोक दिया गया है कि फिल्म निर्देशक आदित्य धर ने उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' की पटकथा उनसे चुराई है।धर ने उच्च न्यायालय में यह दावा किया है कि कुमार के बार-बार लगाए गए आरोप मानहानि करने वाले हैं और उनकी साख को नुकसान पहुंचाते हैं।न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर ने अंतरिम आदेश देते हुए कहा कि धर ने ऐसी राहत देने के लिए प्रथम दृष्टया मामला प्रस्तुत किया।

अदालत ने कहा, ''अगली तारीख तक, प्रतिवादी (कुमार) द्वारा (धर द्वारा दायर किए गए) मुकदमे में बताए गए शब्दों और टिप्पणियों और इसी तरह के सभी दूसरे आरोपों के दोहराने पर रोक रहेगी।''पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 अप्रैल की तारीख तय की। वाद के मुताबिक, कुमार ने 2025 में आई फिल्म ''धुरंधर'' के सीक्वल ''धुरंधर: द रिवेंज'' की रिलीज के बाद ये आरोप लगाए थे, जिसमें धर पर ''डी साहेब'' नाम की उनकी पंजीकृत पटकथा की कॉपी करने का आरोप लगाया गया था।

धर ने शुरू में कुमार को एक कानूनी नोटिस भेजा, जिसमें किसी भी तरह की साहित्यिक चोरी से इनकार किया गया और उनसे आगे आरोप लगाने से परहेज करने को कहा गया, लेकिन जब उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, तो धर ने डीएसके लीगल फर्म के जरिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। धर के वकील बीरेंद्र सराफ ने अदालत को बताया कि बार-बार आरोप लगाने से फिल्मकार की साख को ऐसा नुकसान हो रहा है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती।

विद्या बालन: एक ऐसी अभिनेत्री जो हर भाषा में रचती हैं जादू

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में शुमार विद्या बालन ने हमेशा अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। अपनी फिल्मों के चयन से लेकर अपने किरदारों की गहराई तक, विद्या ने हर बार यह साबित किया है कि वह एक सशक्त और बहुमुखी कलाकार हैं। विद्या बालन की खास बात यह है कि उन्होंने भाषा की सीमाओं को कभी अपने काम के बीच नहीं आने दिया। हिंदी के साथ-साथ उन्होंने विभिन्न भाषाओं और लहजों में सहजता से काम किया है। उनकी संवाद

अदायगी, उच्चारण और भावनात्मक पकड़ हर भाषा में उतनी ही प्रभावशाली रहती है। चाहे वह किसी छोटे शहर की महिला का किरदार हो या एक मजबूत, आत्मनिर्भर व्यक्तित्व, विद्या हर भूमिका में पूरी सच्चाई के साथ उतरती हैं। यही कारण है कि देशभर के दर्शक उनसे खुद को जोड़ पाते हैं, चाहे उनकी भाषा या क्षेत्र कोई भी हो। विद्या का मानना है कि सिनेमा एक ऐसी कला है जो भाषा से परे है। उनके लिए हर किरदार एक नई यात्रा है, जहां वह सिर्फ संवाद नहीं बोलतीं, बल्कि उस भावना को जीती हैं। आज के दौर में जब भारतीय सिनेमा वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है, विद्या बालन जैसी कलाकार इस बदलाव की सबसे मजबूत कड़ी हैं, जो अपने अभिनय से हर भाषा, हर दर्शक तक पहुंचने की क्षमता रखती हैं।

'नागिन 7' में नाग गुरु के अवतार में नजर आएंगे अक्षय कुमार, प्रियंका चाहर चौधरी को करेंगे ड्रैगन से सतर्क

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और फिल्मों के बीच का रिश्ता अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो गया है। बड़े सितारे अपनी फिल्मों के प्रमोशन के लिए टीवी शोज का सहारा लेते हैं, जिससे दर्शकों को भी कुछ नया और अलग देखने को मिलता है। इसी कड़ी में बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के लिए टीवी के पॉपुलर शो 'नागिन 7' में नजर आने वाले हैं। इस खास एपिसोड की झलक सामने आते ही दर्शकों के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है।

कलर्स टीवी चैनल ने इंस्टाग्राम पर इस एपिसोड का प्रोमो शेयर किया है। यह एपिसोड 11 अप्रैल, शनिवार को प्रसारित किया जाएगा। प्रोमो में अक्षय कुमार 'नाग गुरु' के रूप में दिखाई दे रहे हैं। यह अवतार उनके फैंस के लिए काफी दिलचस्प और नया है। वीडियो की शुरुआत में अक्षय कुमार फिल्म के गाने 'राम जी आके भला करेंगे' पर जबरदस्त डांस करते नजर आते हैं। इसके बाद कहानी में एक नया मोड़ आता है, जब वह प्रियंका चाहर चौधरी के किरदार नागिन आहना को सतर्क करते हैं। अक्षय कहते हैं, ''ड्रैगन ही तुम्हारा सबसे बड़ा दुश्मन है, जो इतना विशाल है कि उसकी परछाई से जमीन पर रोशनी तक नहीं पहुंचती।'' प्रोमो में आगे ड्रैगन और नागिन के बीच 'ड्रैगन पर्ल' को लेकर जबरदस्त टक्कर देखने को मिलती है। यह मुकाबला विजुअली भी काफी दमदार नजर आता है, जो दर्शकों को स्क्रीन से बांधकर रखने का काम करेगा।

वीडियो के साथ चैनल ने कैप्शन में लिखा है, ''क्या ड्रैगन पर्ल की इस घमासान लड़ाई में नागिन देगी अपने दुश्मन को मात?'' इससे पहले भी एक प्रोमो सामने आया था, जिसमें अक्षय कुमार फोन पर नागिन आहना को ड्रैगन के खतरे के बारे में बताते हैं। आहना उनसे मदद मांगती है, लेकिन अक्षय उन्हें समझाते हैं कि इस लड़ाई को उसे खुद ही लड़ना होगा। वह बताते हैं, ''ड्रैगन को हराने का एक ही तरीका है और वो है उसकी खुद की आग।'' यह तरीका कहानी को और ज्यादा रहस्यमयी और दिलचस्प बनाता है। अक्षय कुमार प्रोमो में कहते नजर आते हैं कि जब नागिनों की नागिन परेशान होती है, तो उन्हें आना ही पड़ता है, लेकिन असली लड़ाई आहना को खुद ही लड़नी होगी। इसके बाद आहना उनसे वादा करती है कि वह इस चुनौती का सामना करेगी और ड्रैगन का खात्मा करेगी। आपको बता दें कि फिल्म 'भूत बंगला' को एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यही वजह है कि फिल्म के प्रमोशन के लिए अक्षय कुमार की एंट्री 'नागिन 7' में करवाई गई है। इस खास एपिसोड के जरिए दर्शकों को एक साथ टीवी ड्रामा और फिल्मी तड़का देखने को मिलेगा।

वोट

एर्नाकुलम जिले में केरल विधानसभा चुनाव के दौरान कलमसेरी में एचएमटी स्कूल पोलिंग स्टेशन पर वोट डालने के बाद एक नया शादीशुदा जोड़ा अपनी स्याही लगी उंगलियां दिखाता हुआ।

प्रदर्शनी

चंडीगढ़ में पंजाब यूनिवर्सिटी में कवच 3.0 के हिस्से के तौर पर एक डिफेंस प्रदर्शनी के दौरान नेशनल कैडेट कोर के कैडेट हथियार चलाने की ड्रिल करते हुए।

'सच में? कैसे?' अमिताभ बच्चन के दो शब्दों के पोस्ट ने फैंस को किया सोचने पर मजबूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चाओं में बने रहते है। उनके पोस्ट लोगों को सोचने पर मजबूर कर देते है। इस कड़ी में बुधवार को उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक दिलचस्प पोस्ट साझा किया, जिसने फैंस के बीच चर्चाएं तेज कर दी। अमिताभ ने अपने पोस्ट में केवल दो शब्द लिखे- टी 5704 - सच में? कैसे?.. यह छोटा सा पोस्ट ही ऐसा था कि फैंस तुरंत सोचने और कमेंट करने पर मजबूर हो गए। सोशल मीडिया पर उनके फॉलोअर्स ने अनुमान लगाने शुरू कर दिया कि इस पोस्ट में अभिनेता क्या कहने की कोशिश कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ''सर, हम कैसे जान सकते हैं? सवाल क्या है, सिर्फ आपको पता है, तो प्लीज खुद जवाब दें।''

वहीं दूसरे यूजर ने थोड़े हल्के अंदाज में लिखा, ''सच में या कैसे में मत पड़ो! बस पलों का मजा लो।'' अन्य फैंस ने भी प्रतिक्रियाएं दी। किसी ने लिखा कि यह शायद किसी फिल्म की लाइन का कोड है, तो किसी ने अंदाजा लगाया कि यह अमिताभ का किसी खास खबर की ओर इशारा हो सकता है।

वहीं अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर भी अपने विचार साझा किए, जिसमें उन्होंने जीवन की अनिश्चितताओं और सवालों के जवाब खोजने की प्रक्रिया पर गहराई से लिखा। ब्लॉग में उन्होंने लिखा, ''एक शांत और विचारशील दिन अपने आप और अपने परिवेश के साथ इतनी सारी सोच और बातें भीतर में, खुद से सवाल करना, जवाब पाने की कोशिश करना लेकिन ज्यादातर उत्तर अस्पष्ट या बहुत कम ही मिलते हैं।'' अमिताभ ने ब्लॉग में आगे कहा, ''जीवन में निश्चित उत्तर प्राप्त करना मुश्किल होता है। हर दिन, हर पल हमें दुनिया के अद्भुत और जटिल पहलुओं के बारे में सोचने पर मजबूर करता है, लेकिन उत्तर हमेशा सुनिश्चित नहीं होते। कई लोगों ने जीवन भर 'क्यों' और 'कैसे' के सवालों के जवाब खोजने में समय बिताया, लेकिन अंत में भी केवल कुछ शब्दों पर पहुंच पाए जो विचारों का विश्लेषण करते हैं, पर निश्चित उत्तर नहीं दे पाते।''

फिल्मों से ज्यादा विवादों में रहीं स्वरा भास्कर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की विवादित क्वीन स्वरा भास्कर अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने बयानों को लेकर हमेशा विवादों में रही हैं। वैसे तो उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उनकी ज्यादातर फिल्में औसत या तो फिर फ्लॉप रहीं। हालांकि, उन्होंने दो बड़ी बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया, जिसमें प्रेम रतन धन पायो और तनु वेड्स मनु रिटर्न्स शामिल हैं। अभिनेत्री 9 अप्रैल को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं, और इस मौके पर हम उनके 5 बड़े विवादों के बारे में जानेंगे, जिनको लेकर उन्हें सबसे ज्यादा ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। स्वरा भास्कर हमेशा अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान के गाने बेशर्म रंग को लेकर खूब विवाद हुआ था। गाने में अभिनेत्री द्वारा भगवा रंग का स्विमसूट पहना गया था, जिसे लेकर फिल्म और अभिनेत्री का बॉयकॉट करने की मांग की गई थी। इसी विवाद पर स्वरा ने एक राजनेता को जवाब देते हुए कहा था, मुझे लगता है कि हमारे नेता अभिनेत्रियों के कपड़े कम देखेंगे और अपने काम पर ज्यादा फोकस करें तो ज्यादा अच्छा होगा। हिजाब को लेकर मुस्लिम महिलाओं के अपमान की तुलना द्रौपदी के वस्त्रहरण से करने पर उन्होंने अपने विचार व्यक्त किए और उन्हें ट्रोल किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि महाभारत में द्रौपदी के जबरन कपड़े उतारे गए थे और सभा में बैठे शक्तिशाली, कानून बनाने वाले लोग देखते रहे...ऐसे ही आज याद आया।

फिल्म पद्मावत के रिलीज के बाद स्वरा भास्कर ने संजय लीला भंसाली को खुला पत्र लिखा था और उन्हें एक खराब डायरेक्टर बताया था। उन्होंने लिखा था, क्या पुरुष महिलाओं की सिर्फ एक ही चीज पर नजर रखते हैं? क्या बलात्कार के बाद महिला को जीने का अधिकार नहीं है? क्या महिलाओं के पास मौत के अलावा कोई और विकल्प नहीं है? उन्होंने यह कटाक्ष जौहर सीन पर किया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें अच्छी-खासी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

साल 2018 में भारतीय सेना पर स्वरा भास्कर के एक ट्वीट ने काफी हंगामा मचा दिया था। अभिनेत्री ने कई ट्वीट किए थे, जिनमें उन्होंने सेना को मूर्ख कहा था, जिसके बाद स्वरा को जमकर ट्रोल किया गया था। उनका कहना था कि आर्मी फील्ड में अपनी मनमर्जी का काम करती रहती है। जातिगत अभिमान से भरे कुछ मूर्खों ने आदमियों को जीप से बांधकर, उन्हें कोड़े मारकर और उनका प्रचार किया। यह ट्वीट अभिनेत्री ने मेजर लीतुल गोगोई को लेकर किया था, जिन पर चुनाव के दौरान एक पत्थरबाज को जीप पर बांधकर घुमाने का आरोप लगा था।

साल 2026 में होली पर तरुण खाटिक के साथ घटी घटना को लेकर भी अभिनेत्री ने हंगामा मचाने वाली राय रखी थी। उन्होंने लिखा था, होली के दौरान मुस्लिम पड़ोसियों के साथ झड़प हुई और उसमें तरुण खाटिक की हत्या के बाद पूरा संघी इकोसिस्टम हंगामा मचा रहा है। नफरत फैलाने वाले संघी लोगों ने क्या किया... उन्होंने मुस्लिम भीड़ द्वारा हिंदू लड़के की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की खबर को हेडलाइन्स और पोस्टों में फैलाया और नारा लगाया कि हिंदू खतरे में हैं। इस ट्वीट के बाद उन्हें काफी ट्रोल होना पड़ा था।

अग्रसेन कालेज रजत जयंती समारोह का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माधावरम् में जयगोविंद हरिगोपाल अग्रवाल अग्रसेन कालेज ने अपने रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे अनेक कार्यक्रमों के उपरांत 9 अप्रैल को रजत जयंती का सत्र समापन समारोह बड़े धूमधाम से मनाया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे द न्यू इंडियन एक्सप्रेस के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सोंथालिया ने भाग लिया। उन्होंने रजत जयंती बैनर का उद्घाटन किया।

ज्ञातव्य है कि वर्तमान सत्र रजत जयंती का होने के कारण प्रत्येक विभागों ने अनेक अकादमिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम वर्ष भर आयोजित किए। मुख्य अतिथि मनोज कुमार सोंथालिया ने अपने हाथों दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा की शिक्षा और संभाव्यता के आधार पर सेवारत यह कालेज अपनी 25 वर्षों की यात्रा पूरी की, जिससे युवा पीढ़ी प्रेरित हुई है। सोंथालिया ने कहा की शिक्षा और मीडिया राष्ट्र को प्रगति पथ पर अग्रेसित होने के लिए राष्ट्र को सूचित करते है। प्रतिभा की नई पौध को उगाने में इस कालेज ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आदित्य अग्रवाल ने 25 वर्षों की सफलता को इंगित करते हुए कहा की यह वर्ष हम सभी के लिए यादगार रहेगा उन्होंने भी स्थापना के समय की अनेक भावुक घटनाओं का जिक्र किया। सचिव हरीश कुमार सांघी ने गत 25 वर्षों का इतिहास बताते हुए कहा कि यह किसी एक की मेहनत का नहीं वरन सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कॉलेज की भूमिपूजन के दौरान खुदाई में साक्षात शिवलिंग के मिलने का भावुकता के साथ वर्णन किया। यह कालेज शिक्षा और संस्कारों का कालेज होगा। रजत जयंती समिति के सभापति हरीश कुमार लोहिया ने सबके अथक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा की यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। कोषाध्यक्ष बालगोविंद गुप्ता, समिति सदस्य अमित गुप्ता, शैलेश छौछरिया, नीरज मरोडिया आदि ने भी सभी को के प्रति आभा व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ वी गोपी ने कालेज की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उप प्राचार्या डॉ टी एस उमा माहेश्वरी ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया।

तमिल ताय से शुरू हुए समापन समारोह के इस महा आयोजन मे शहर के अनेक गणमान्य लोग, अनेक कालेज के प्राचार्य, सचिव कोषाध्यक्ष, एवं प्रबंधन समिति के अनेक सदस्यों डोनरों व पदाधिकारियों ने भाग लिया। सचिव व अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। लगभग 50 सदस्यों को स्मृति चिह्न व शाल से सम्मानित किया गया। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें क्षेत्रीय कला का प्रदर्शन किया गया।

सामूहिक नवकार जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां मेट्टुपाल्यम् स्थित गुजराती समाज भवन में जीतो विश्व नवकार महामंत्र कार्यक्रम के तहत आचार्य श्री हीरचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. एवं साध्वी कर्त्तव्यनिधिश्रीजी अन्य संत साध्वियों के सान्निध्य में नवकार जाप करवाया और एक मुद्रा की विशेषताओं के बारे में बताया। सभी का स्वागत जीतो कोयम्बटूर के चेयरमैन राजेश बोहरा ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में जैन समुदाय के श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के आरएसपुरम् स्थित राजस्थानी संघ में बुधवार देर शाम द्रमुक के पूर्व मंत्री और कोयम्बटूर दक्षिण से उम्मीदवार सेंथिल बालाजी ने संघ के सदस्यों से मिलकर उनसे द्रमुक के पक्ष में वोट डालने की अपील की। सभी का स्वागत राजस्थानी संघ के अध्यक्ष संतोष मुंद्ड़ा ने किया, संचालन राजेश अग्रवाल ने किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष कैलाश जैन, भगवान महावीर गौशाला के अध्यक्ष प्रशांत कोठारी, उपाध्यक्ष बाबूलाल बागरेचा, बीजेएस के राजेश पोकरना आदि ने पूर्व मंत्री बालाजी का सम्मान किया।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

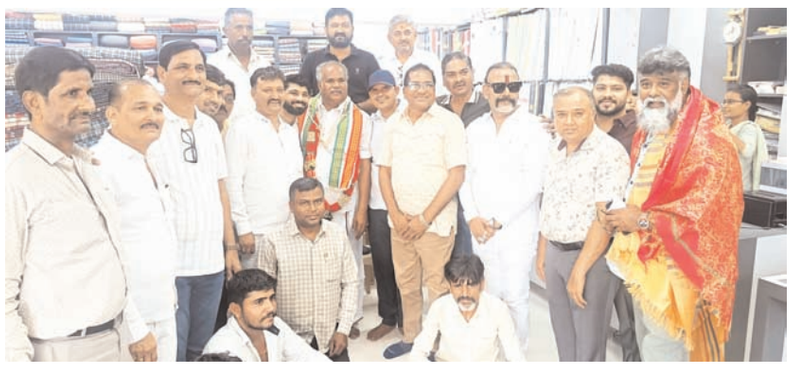

मदुरै में विधानसभा चुनाव के तहत द्रमुक गठबंधक के प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक भूमिनाथन ने जनसंपर्क अभियान के तहत मदुराई के मन्जनकारा स्ट्रीट स्थित श्रावक संघ एवं प्रवासी समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों से भेंट कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर श्रावक संघ के अध्यक्ष विजयराज श्रीश्रीमाल एवं मंत्री शांतिलाल गुलेच्छा व प्रचार- प्रसार मंत्री दिनेश सालेचा सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने विधायक का शॉल एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया। कार्यक्रम में राजस्थानी प्रवासी समाज की ओर से भागचंद बाफना, दिलीप हरण, पारसमल चौपड़ा, धनराज चौपड़ा, पृथ्वीराज संखलेचा, रतनलाल भंड़ारी, गणपत प्रजापत, चंदनसिंह, चेनाराम, हेमाराम, विकाश जैन सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भी उपस्थित रहकर विधायक के प्रति समर्थन व्यक्त किया।

सामूहिक नवकार महामंत्र का जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकारपेट के बेसिन वाटर स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन में नवकार महामंत्र का सामुहिक जाप किया गया। विश्व शान्ति व प्राणी मात्र के कल्याण के लिए 9 अप्रैल को सुबह 8 बजे से नवकार महामंत्र के जाप का आयोजन किया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने आगम वांचन किया।

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि नवकार महामन्त्र में शुद्ध अवस्था को प्राप्त अरिहन्त सिद्ध भगवन्तों को व उनके बताए मार्ग पर अनुसरण करने वाले आचार्य उपाध्याय व साधु को नमस्कार किया गया हैं। इस महामंत्र के उच्चारण व स्मरण से चिन्ता, भय व इच्छाओं का नाश होता हैं व भावों की शुद्धि होती हैं। उन्होंने बताया कि आचार्य हीराचंद्र के चेन्नई वेपेरी चातुर्मास काल में पूरे चार महीने अखण्ड जाप हुआ था,यह मन्त्र आध्यात्मिक सुखों की प्राप्ति का मन्त्र हैं। जे कमल चोरडिया ने चिन्तन सूत्र किया। नरेन्द्र कांकरिया ने संकल्प सूत्र करवाए। इंदरचंद कर्णावट ने तपस्या व पोरसी के प्रत्याख्यान व गौतमचन्द मुणोत ने गुरु सुखसाता पृच्छा पाठ करवाया।

सभा में रुपराज सेठिया, बाबू धनपतराज सुराणा, पदमचन्द दीपक श्रीश्रीमाल व श्राविका मण्डल तमिलनाडु की अध्यक्षा शशि कांकरिया, सुबीता सुराणा सहित श्रावक श्राविकाओं की सामायिक परिवेश में प्रमोदजन्य उपस्थिति रही ।

तपस्वी श्राविका लीलादेवी ओस्तवाल ने मांगलिक सुनाई।

हनुमंतनगर जैन संघ में हुआ नवकार मंत्र का सामूहिक जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमन्तनगर के तत्वावधान में विराजित आचार्यश्री रामलालजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री मल्लिप्रभाजी के सान्निध्य में विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के गतिमान दस दिवसीय बाल संस्कार शिविर में शामिल सभी बालक बालिकाओं एवं अध्यापक वर्ग ने भी नवकार मंत्र का सामूहिक जाप किया।

इस अवसर पर शिक्षक संजय कुमार कचोलिया ने कहा कि नवकार महामंत्र यह समस्त श्रेष्ठ आत्माओं और गुणों को नमन करने वाला सार्वभौमिक मंत्र है। यह किसी एक धर्म, पन्थ या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। शिक्षिका वंदना चोपड़ा एवं चंचल गोटावत ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर हनुमंतनगर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, सचिव सुरेश कुमार धोका, युवक मंडल के सुनील छाजेड़, रोहित बागरेचा ने नवकार दिवस में सहयोग प्रदान किया। मंच संचालन पारसमल दुगड़ ने किया ।

अलसूर संघ में सामायिक साधना में नवकार मंत्र का जाप हुआ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के सदस्यों ने महावीर भवन में संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा के नेतृत्व में 160 आराधकों ने विश्व नवकार दिवस प्रसंग पर सामायिक साधना में नवकार मंत्र का जाप किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने नवकार महिमा बताते हुए कहा कि इस मंत्र में किसी प्रभु विशेष अथवा गुरु विशेष की स्तुति न होकर मात्र गुण स्तुति होने के कारण यह शाश्वत मंत्र माना गया है जिसमें भक्त कोई सांसारिक अभिलाषा न करते हुए मात्र स्वयं के लिए कभी न कभी परमेष्ठि पद में प्रवेश की कामना करता है।

इस मंत्र को नमस्कार सूत्र भी कहते हैं, जिसका उच्चारण कर हम उत्कृष्ट नौ करोड़ अरिहंत परमात्मा, अनंत सिद्ध परमात्मा और लोक के उत्कृष्ट नौ हजार करोड़ साधु संतों को नमस्कार कर लेते हैं, इसलिए इसे पावन पवित्र स्मरण स्मरण साधन कहते हैं। नवकार जाप में महिला मंडल, जैन युवक संघ एवं नवकार बहु मंडल ने भी भाग लिया।

सामूहिक विश्व नवकार मंत्र जप अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर) के तत्वाधान में स्थानीय ओराडुकुप्पै स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में स्कूल की सुरक्षा को देखते हुए सीसीटीवी प्रदान किया गया। सीसीटीवी प्रदान करने पर समारोह का आयोजन किया गया। संघ के अध्यक्ष गौतम धारीवाल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह का संचालन संघ के राजू छाजेड ने किया।

कार्याध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा ने कहा कि आज विशेष दिन भी है जब पूरी दुनिया के करीब 120 देशों में एक साथ महामंत्र नवकार जाप का रहा है और सेवा संघ भी इसमें कड़ी में लड़ी बना है।

समारोह के दौरान सीसीटीवी प्रदान करने वाले मेसर्स नाकोडा एंटरप्राइजेज एवं मैसर्स रूप रजत हार्डवेयर्स प्रतिष्ठान के निदेशकों का अभिनंदन किया गया। ललित छत्रगोता एवं विकास सुराणा का संघ के अध्यक्ष गौतम धारीवाल, कार्याध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा, संघ के संस्थापक राजेश कुमार गादिया एवं राजू छाजेड ने शाल माला द्वारा किया।

भौतिक और आध्यात्मिक सिद्धियों के लिए साधना जरूरी : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। गुरुवार को केशवापुर स्थित वासुपूज्य नूतन भवन में शहर के विविध युवा संगठनों के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भौतिक और आध्यात्मिक, सभी प्रकार की सिद्धियों के लिए साधना जरूरी है। कष्ट सहे बिना इष्ट की प्राप्ति नहीं होती। बिना पुरुषार्थ के प्रारब्ध नहीं बदलता और सफलता का पथ प्रशस्त नहीं होता। जो बार-बार पीछे मुड़कर देखते हैं तथा अपने निर्णय बदलते रहते हैं, अक्सर वे सिद्धियों से दूर रह जाते हैं। जो दृढ़ संकल्प पूर्वक ध्येयसिद्धि के लिए प्रयत्न करते हैं, वे ही कालांतर में मीठे फल खाते हैं। आज किशोर व युवा पीढ़ी को सोच समझकर, विचलित हुए बिना, सही निर्णय लेकर, आगे बढ़ने की आवश्यकता है। जिनका मन मित्र, खेल, व्यसन, मोबाइल, आलस्य, विजातीय संबंध और मौज मस्तियों में अनुरक्त हैं, वे जीवन में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त नहीं कर सकते।ङ्क जैनाचार्य ने आगे कहा कि तात्कालिक छोटी-बड़ी सफलताओं के लिए उतावला नहीं होना चाहिए। धीरज के फल मीठे होते हैं, यह कहावत सिर्फ मुहावरा नहीं, किशोर व युवा वर्ग के लिए वास्तविकता और महान प्रेरणा है। नाम या पद-सम्मान के लिए काम करना भी महानता नहीं, तुच्छता है। इसके लिए बलिदानी, समर्पित समाजसेवकों को याद करने की आवश्यकता है, जिन्होंने राष्ट्र, धर्म, समाज, संस्कृति और मानवता की रक्षा के लिए लंबे समय तक अपार संघर्ष किया। सुभाषचंद्र बोस, वीर सावरकर, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, कित्तूर की रानी चेन्नमा, वल्लभभाई पटेल, ज्योतिराव गोविंदराव फूले और अनेक साधु-संन्यासी हुए, जिन्होंने अपने नाम-सम्मान और सुख-सुविधाओं की कभी कोई परवाह नहीं की। ऐसे हजारों लोगों के खून-पसीने से भारत राष्ट्र खड़ा और बड़ा हुआ है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आधुनिक किशोर व युवा पीढ़ी की एक बड़ी कमज़ोरी है और वह है सहनशीलता का अभाव। इसके कारण वे बार-बार अपने निर्णय बदलते हैं, नौकरी या कामकाज बदलते हैं, अनिर्णायक मनस्थिति में जीते हैं, अपेक्षाएं पूरी नहीं होती तो वे हताश हो जाते हैं, तनावग्रसित रहते हैं, चिड़चिड़े बन जाते है, मनोरोगी हो जाते हैं। सफलता और सिद्धियों के मार्ग में ये सब बड़ी बाधाएं हैं। आज आधी दुनिया इन कारणों से दुःखी है। इन सारी समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक सोच और मनोवैज्ञानिक शिक्षण की आवश्यकता है। ङ्कजैनाचार्य ने सभी संगठनों को समाज-कल्याण के लिए समर्पित भावों से काम करने का अनुरोध किया। उन्होंने सभी को आपसी प्रेम और परस्पर सहयोग की प्रेरणा दी। इस अवसर पर गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि राष्ट्र, धर्म, समाज और मानवता के लिए काम करने वाले लोग सौभाग्यशाली होते हैं।

कंकर को शंकर बनाने की ताकत है नवकार मंत्र में : मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ मुनिश्री पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में जयनगर के धर्मनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर परिसर में जीतो द्वारा निर्देशित विश्व नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुनि डॉ पुलकित कुमार जी ने कहा कि नवकार महामंत्र में पतित को पावन और कंकर को शंकर बनाने की ताकत है। इसमें पंच परमेष्ठी स्वरूप महान आत्माओं को नमन किया गया है। मुनिश्री ने कहा, वर्तमान समय में अशांत विश्व को शांति का संदेश देने वाला नवकार महामंत्र है, इससे अहंकार और ममकार विसर्जन की प्रेरणा मिलती है। ङ्कमुनिश्री ने आगे कहा, नवकार महामंत्र को महामंत्र इसलिए कहा जाता है कि इसके जाप से जैन धर्म में उच्च कोटि की साधना करके उत्तम समाधि प्राप्त होती है। मुनि आदित्य कुमारजी ने नवकार महामंत्र गीत का संगान किया। ङ्कइस कार्यक्रम में जयनगर महिला मंडल ने स्वागत गीत, तूफान मांडोत तथा धर्मनाथ स्वामी भजन मंडली ने नवकार महामंत्र पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। जयनगर संघ के अध्यक्ष चंद्रकुमार सिंघवी ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन रोहित गुरु ने किया। इस मौके पर तपागच्छ से साध्वी जिनर्षिनिधिश्रीजी, हितनिधिश्रीजी उपस्थित थीं। सितार वादक सागर भाई छेड़ा ने नवकार धुन की प्रस्तुति दी। करीब 800 से ज्यादा लोगों ने नवकार महामंत्र का विश्व शांति के लिए जाप किया। कार्यक्रम में जैन समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जयनगर संघ में हुई नवकार महामंत्र की आराधना

'मातृछाया' की सदस्याओं ने पालीताणा में किया नवकार मंत्र का जाप

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन महिला संगठन 'मातृछाया' की 30 सदस्याओं ने पालीताणा से विश्व कल्याण हेतु नवकार मंत्र का जाप किया। यह आयोजन जीतो के आह्वान पर विश्व कल्याण की भावना से जुड़कर किया गया। सभी सदस्याओं ने गुरुवार को सामूहिक रूप से नवकार मंत्र माला का जाप किया। इस पावन अवसर पर आचार्यश्री जिनेन्द्रसूरीजी, भक्तिवल्लभविजयजी सहित अन्य सम्प्रदायों के संत उपस्थित थे। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना एवं मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने इस पहल की सराहना करते हुए जीतो द्वारा किए जा रहे इस वैश्विक प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम में संगठन की अन्य सदस्याएं भी उपस्थित थीं। अंत में सभी सदस्याओं ने नवकार मंत्र के सामूहिक जाप के माध्यम से विश्व में शांति, सद्भाव और मंगल की कामना की।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.